

राष्ट्रदूत

जालोर
Rashtradoot

जालोर, मंगलवार 8 सितम्बर, 2026



भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली राजस्थान की किस्मत

नगर निकाय चुनाव में
कमल खिलाना है
विकास को आगे बढ़ाना है

प्रिय प्रदेशवासियों,

हमारी डबल इंजन की सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का हर शहर आधुनिक सुविधाओं से युक्त, स्वच्छ, सुरक्षित, सुगम और नागरिक-केंद्रित बने। इसी संकल्प के साथ हमारी सरकार ने पिछले 32 महीनों में नगरीय विकास को नई गति देने के लिए निरंतर कार्य किया है।

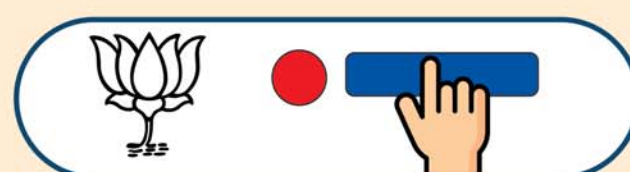
आपसे अपील है कि भारतीय जनता पार्टी को नगरीय निकायों में विजय दिलाकर हमारी डबल इंजन की सरकार में शहरी सरकार का तीसरा इंजन जोड़ें और ट्रिपल इंजन की सरकार का निर्माण कर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में सहयोगी बनें।

कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान स्थानीय निकायों के कुशासन से आप भली-भांति परिचित हैं। कांग्रेस के कुशासन का दौर गया, अब विकास की बारी है। कुशासन से त्रस्त थे, अब सुशासन का साथ दें।

इसलिए, घर से निकलें, बूथ तक जाएं और भाजपा के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

- मदन राठौड़

- भजनलाल शर्मा

निकाय चुनाव हेतु भाजपा का
संकल्प पत्र पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करेंभाजपा के काम पर मोहर लगाएं
दिनांक 9 / 11 सितंबर को वोट देने जरूर जाएंकमल का बटन दबाएं
भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

विचार बिन्दु

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है।-हरिभाऊ उपाध्याय

देश का माहौल बदल रहा है

गत चार माह से देश के सामाजिक और राजनीतिक वातावरण में कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। 10-12 सालों से लगने लगा था कि देश अधिनायकवाद और तानाशाही की ओर धीरे-धीरे अग्रसर हो रहा है। लोग, सरकार की नीतियों के विरुद्ध बोलने में डरने लगे थे। जो कोई भी साहस करके सरकार के विरुद्ध कुछ भी बोलता, चाहे वह स्टैंड अप कॉमेडियन हो, शिक्षा विद हो, साहित्यकार हो या कलाकार ही क्यों न हो, उसकी आवाज को दबाने के लिए सरकार अपनी एजेंसियों को उनके पीछे छोड़ते हुइ देवोी गई। आई टी, ई डी और सी सी आई इस कार्य में सबसे अग्रणी रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी छवि बन गई कि देश में स्वतंत्र मत को व्यक्त करना कठिन होता जा रहा था। यह सब लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं थे।

जब सब कुछ निराशाजनक दिखाई दे रहा था, तभी एक छोटी सी घटना ने वातावरण को बदलने की दिशा में पहला कदम उठाया। एक केस की सुनवाई में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 15 मई, 2026 को युवाओं को कॉकरोच की संज्ञा दे दी। इसी को आधार बनाकर अमेरिका में बैठे अभिजीत दीपके ने 16 मई, 2026 को “कॉकरोच जनता पार्टी” का गठन कर लिया। इसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक सप्ताह में ही दो करोड़ से अधिक फॉलोअर्स बन गए। प्रारंभ में इसे केवल सोशल मीडिया का बुलबुला माना जा रहा था। जब NEET परीक्षा के पेपर लीक होने के प्रकरण ने जोर पकड़ा तो अभिजीत दीपके, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने के लिए 6 जून 2026 को भारत आया और दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रेस को संबोधित किया। कुछ समय देने के बाद भी जब सरकार ने प्रधान का इस्तीफा नहीं लिया तो कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जून से जंतर मंतर पर प्रदर्शन आरम्भ कर दिया। इसमें अधिकांश GenZ अर्थात 14 से 29 वर्ष के युवा थे। इनके समर्थन में प्रख्यात शिक्षा विद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक आमरण अनशन पर बैठ गये। यहां प्रतिदिन सैकड़ों, हजारों की संख्या में लोग देश के कई भागों से पहुंचने लगे। इसे कई संगठनों और राजनैतिक दलों का समर्थन प्राप्त होने लगा।

छात्रों ने सुजनात्मकता का परिचय देते हुए कई नुक़्कड़ नाटक किए, गीत बनाए, मीम बनाए जिनमें मंत्रियों, यहां तक कि प्रधानमंत्री पर भी व्यंग्य किए गए। ये सोशल मीडिया पर खूब चले, हालांकि इस बारे में कोई कवरज मुख्य धारा के मीडिया (जिसे गोदी मीडिया कहा जाता है) द्वारा नहीं किया गया।

मामले में बड़ा मोड़ तब आया जब 18 जुलाई की सुबह सोनम वांगचुक को बलपूर्वक आमरण अनशन से उठाकर अस्पताल में भरती करा दिया। उल्लेखनीय है कि कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से 20 जुलाई को जंतर मंतर से संसद तक का मार्च निकालने का आह्वान किया गया था। इस दिन पुलिस ने अनशनरत छात्रों पर बहुत बल प्रयोग किया और उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज, आंसू गैस के अलावा ‘पैलेट गन’ का इस्तेमाल किया गया, हालांकि दिल्ली पुलिस इससे इनकार करती रही। राहुल गांधी एवं कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा इस मुद्दे को मीडिया और संसद में जोर शोर से उठाया गया जिसके कारण संसद नहीं चल पाई। राहुल गांधी द्वारा कई घंटों तक थाने में धरना देने के बाद मजबूरन दिल्ली पुलिस को पैलेट गन संबंधी एफ आई आर दर्ज करनी पड़ी।

जब सरकार को आंदोलन अपने नियंत्रण से बाहर होता दिखा तो सरकार के मंत्रियों ने जे पी नड्डा के नेतृत्व में सी जे पी के नेताओं के साथ वार्ता के बाद एक समझौता 25 जुलाई 2026 को किया। इसके द्वारा धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात मानी गई, आंदोलनकारियों पर कोई मुकदमा नहीं करने का आश्वासन दिया गया और दर्ज सभी एफ आई आर को वापस लेने की बात की गई। साथ ही, जिन परिवारों के बच्चों ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के कारण आत्महत्या की, उनको मुआवजा देने के प्रश्न पर भी समझौता हुआ।

समझौते के अनुसार धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तो तुरंत करवा लिया गया, किंतु अन्य दो मांगों पर विशेष कार्रवाई नहीं हुई तो मामला फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने स्पष्ट फैसले में, संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए सभी एफ आई आर निरस्त करने के आदेश दिए। यह आदेश देश के सभी राज्यों पर लागू किया गया।

कॉकरोच जनता पार्टी के अधिकांश आंदोलनकारी छात्र ‘जैन जी’ की परिभाषा में आते हैं। इसी प्रदर्शन के दौरान निशु आजाद नाम की 15 वर्षीय दलित छात्रा के पिता संजय कुमार का सिर स्वतंत्र भारद्वाज नामक व्यक्ति ने अपने कड़े के वार से फोड़ दिया था, जिससे, उसके ठंके आए। इसके बावजूद पुलिस ने हल्की धाराओं में एफ आई आर दर्ज की और वह कई दिन तक खुला घूमता रहा और शेखी बघारता रहा। न केवल यह, इस घटना के बाद उसने एक पॉडकास्ट में इस सारी घटना को स्वीकार भी किया और कहा कि उसने ‘हाफ मर्डर’ कर दिया, फिर भी उसके विरुद्ध किसी प्रचार की कोई कार्रवाई करने की हिम्मत दिल्ली पुलिस नहीं कर सकी, क्योंकि उसके निकट संपर्क केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा के अन्य बड़े-बड़े लोगों से हैं। उसका यह वीडियो पूरे सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस प्रकरण में भी कॉकरोच जनता पार्टी ने थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और स्वतंत्र भारद्वाज पर एएससी एलटी एक्ट और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज करके उसे गिरफ्तार करने की मांग की गई। युवा लोगों के बढ़ते आक्रोश के कारण यहां भी अंततः पुलिस को स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार करना पड़ा और

कुल मिलाकर, गत कुछ समय में जो घटनाएं घटी हैं, उनसे नागरिकों में सरकार से जवाबदेही मांगने की प्रवृत्ति और साहस दोनों में वृद्धि हुई है। जब जवाबदेही सुनिश्चित हो जाएगी तो शासन व्यवस्था में अपने आप सुधार आ जाएगा और वह आम नागरिक के लिए काम करने के लिए मजबूर हो जाएगा। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

हूए उसे गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं, उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी लागू कर दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत किसी को जमानत भी नहीं मिल सकती है।

यह एक कारण जब इलाहाबाद हाईकोर्ट में गया तो वहां के न्यायाधीश अतुल श्रीधरन और अचल सचदेव की खंड पीठ ने एन एस ए की कार्यवाही को एकदम मरमाणा और अस्पष्ट मानते हुए रद्द कर दिया। यही नहीं, गलत हिरासत में रखने के लिए आकृति चौधरी को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश भी दिया। यूपीए की यह राशि नोएडा की जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम और अन्य अधिकारियों के हतन से वसूल करने के आदेश दिये। यह उल्लेखनीय है कि मेधा रूपम के पिता ज्ञानेश कुमार गुप्ता, वर्तमान में मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। अतुल श्रीधरन वही न्यायाधीश थे जिन्होंने मध्य प्रदेश में वहां के मंत्री विजय शाह के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश तब दिए थे जब विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरेशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। इस आदेश के तुरंत बाद इनका स्थानांतरण मध्यप्रदेश से इलाहाबाद न्यायालय में कर दिया गया।

इन घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो गया है कि नागरिकों को गुलाम या प्रजा मानने के स्थान पर, वास्तव में नागरिक समझना प्रारंभ कर दिया है। वे सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस दिखाने लगे हैं। इस प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने का काम कुछ निष्पक्ष और साहसी न्यायाधीशों ने अपने निर्णयों से किया है। स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं, यदि उनसे अपेक्षित कार्य करें, तो आम नागरिकों को अधिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकार का विरोध करने के अधिकार से उन्हें कोई वंचित नहीं कर सकता। बस, केवल कुछ साहस की जरूरत थी, जो कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से लोगों में उत्पन्न होने लगा है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवार को मुआवजा दिलाना कॉकरोच जनता पार्टी की बड़ी उपलब्धि नहीं है। किंतु एक काम को बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण हुआ है, वह, यह कि कॉकरोच जनता पार्टी के दिल्ली में जंतर मंतर के प्रदर्शन के बाद, पूरे देश में युवा छात्र और बच्चे तक जिन्हें ‘जैन अल्फा’ कहा गया है, स्कूल की खराब स्थिति के बारे में खुलेआम बोलने लगे हैं और आंदोलन करने लगे हैं। कई स्थानों पर इसके कारण प्रशासन पर दबाव पड़ा और उन्होंने तुरंत फुरत में जरूर स्कूलों को गिराकर उनके स्थान पर नए स्कूल या कमरे बनाने के लिए न केवल राशि स्वीकृत की, बल्कि उसका काम भी प्रारंभ करवाया। इसी संदर्भ में, पाठकों के लिए यह जानना उपयुक्त होगा कि अभिजीत दीपके ने 15 अगस्त, 2026 से स्कूल टीका को अधिानत चलाया है। इसके अंतर्गत कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता देश के अलग-अलग भागों में अपने आसपास के सरकारी स्कूलों की स्थिति को देख रहे हैं और उसके बारे में वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से जनता को अवगत करा रहे हैं।

राजस्थान के रामपुरा-कंवरपुरा स्कूल, जो भैंस के तबले में चल रहा था, वहां सी जे पी के आशुतोष राना ने जाकर वीडियो बना का प्रयास किया तो असामाजिक तत्वों द्वारा उनके साथ मारपीट की गई। इसके बावजूद प्रशासन को इसका संज्ञान लेना पड़ा और स्कूल को ठुड्काकर उसके स्थान पर नया स्कूल बनवाना प्रारंभ किया गया है। ऐसी स्थिति कई जगह सामने आई है जहां बच्चों के और युवाओं के दबाव में सरकार को स्कूलों से संबंधित काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

नागरिकों में सरकार विरोध का अनावश्यक डर निकल जाना एक बहुत बड़ी घटना है, जिसका दूरगामी प्रभाव होगा। कॉकरोच जनता पार्टी, एक नेतृत्व करने वाले ग्रुप के रूप में उभरी है। उन्हें केवल यह संयम बरतना होगा कि वह चुनावी राजनीति में न आए वरना उसका भी वही ह्रस्व होगा जो आम आदमी पार्टी का हुआ।

सरकार को भी यह चाहिए कि वह विभिन्न विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देने का काम करें। वर्तमान में तो स्थिति यहां तक हो गई है कि कोई विश्वविद्यालय यदि किसी ऐसे व्यक्ति को वक्तव्य रूप में बुला ले जो सरकार की नीति की आलोचना करता हो, तो संभव है, उसकी अनुमति ही नहीं मिले और मिल जाए तो उसे भी निरस्त कर दिया जाए।

छात्रों को ताकत कितनी है, इसका एक नमूना हैदराबाद के बिधि विश्वविद्यालय NALSAR के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया, जब उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को स्पष्ट कर दिया कि वे भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत से डिग्री नहीं लेंगे और कन्वोकेशन में उन्हें नहीं बुलाया जाए। छात्रों के विरोध के बाद कन्वोकेशन निरस्त कर दिया गया और उन्हें डिग्री वैसे ही दे दी गई। जब बार कार्डिसल ऑफ इंडिया ने आंदोलनकारी छात्रों का पंजीकरण, बार कार्डिसल में नहीं करने का आदेश जारी किया तो उसे दो घंटे में ही वापस लेना पड़ा।

इन सारी घटनाओं से यह लगता है कि लोगों में अपनी बात कहने की हिम्मत आई है। प और यह भी उन्हें आसन्न हो गया है कि यदि वे अपनी बात मनवाने के लिए अहिंसक आंदोलन करेंगे तो सरकार को उनकी बात को मानना पड़ सकता है।

कुल मिलाकर, गत कुछ समय में जो घटनाएं घटी हैं, उनसे नागरिकों में सरकार से जवाबदेही मांगने की प्रवृत्ति और साहस दोनों में वृद्धि हुई है। जब जवाबदेही सुनिश्चित हो जाएगी तो शासन व्यवस्था में अपने आप सुधार आ जाएगा और वह आम नागरिक के लिए काम करने के लिए मजबूर हो जाएगा। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए। आगे क्या होगा, चुनाव में क्या होगा, यह तो समय बताएगा। फिलहाल हम इतना तो कह ही सकते हैं कि देश का माहौल बदल रहा है।यह बदलाव किस रूप में किस सीमा तक होगा, इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

—अतिथि संपादक, राजेन्द्र भागवत (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

80 दिन की आचार संहिता और बदलती चुनावी संस्कृति: राजस्थान ने दिखाई नई राह



अलका सक्सेना

लोकतंत्र में चुनाव जनभागीदारी और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। लेकिन चुनावों की प्रक्रिया यदि लगातार चलती रहे और उसका प्रभाव महीनों तक शासन-प्रशासन की सामान्य कार्यप्रणाली पर बना रहे तो उसका सीधा असर विकास की गति पर पड़ता है। राजस्थान जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध राज्य में यह चुनौती और भी बड़ी है। ऐसे में स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को एक समन्वित प्रक्रिया के रूप में आगे बढ़ाने का निर्णय केवल चुनावी प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में इस बार स्थानीय लोकतंत्र के इतने बड़े चुनावी दायरे को सीमित अवधि में समेटने का प्रयास हुआ है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि करीब 80 दिन की आचार संहिता की अवधि में 309 स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं के चुनावी दायित्व को पूरा करने की दिशा में राज्य आगे बढ़ रहा है। इन 309 नगरीय निकायों में 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाएं शामिल हैं तथा 1०,245 पार्षद पदों पर चुनाव होना है। साथ ही 41 जिला परिषदों, 457 पंचायत समितियों और 14,403 ग्राम पंचायतों में भी चुनाव हैं।

पिछली बार स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों की प्रक्रिया लगभग 15 महीने तक अलग-अलग चरणों और अलग-अलग समय में

चलती रही। इसका अर्थ केवल इतना नहीं था कि राजनीतिक दल लंबे समय तक चुनावी मोड़ में रहे। इसका बड़ा प्रभाव शासन-प्रशासन पर भी पड़ा। जब चुनाव लगातार अलग-अलग संस्थाओं के लिए होते रहें तो आचार संहिता भी बार-बार लागू होती है या लंबे समय तक प्रभावी रहती है। नई योजनाओं, नीतिगत निर्णयों, विकास कार्यों और प्रशासनिक निर्णयों की गति स्वाभाविक रूप से प्रभावित होती है। यही वह बिंदु है जहां राजस्थान की वर्तमान चुनावी व्यवस्था को प्रशासनिक सुधार के नजरिए से देखने की आवश्यकता है।

किसी भी सरकार के लिए पांच वर्ष का कार्यकाल सुनने में लंबा लगता है, लेकिन यदि स्थानीय निकाय, पंचायत, विधानसभा और अन्य चुनाव अलग-अलग समय पर लगातार सामने आते रहें तो वास्तविक शासन अवाधि लगातार कम होती जाती है। चुनाव की घोषणा से लेकर परिणाम और उसके बाद राजनीतिक गतिविधियों तक सरकार और प्रशासन का एक बड़ा हिस्सा चुनावी व्यवस्थाओं में व्यस्त रहता है। आचार संहिता लोकतांत्रिक निष्पक्षता के लिए आवश्यक है। उसके प्रावधानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल या सरकार को अनुचित लाभ से रोकना है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इसके दौरान नए कार्यों और नीतिगत निर्णयों पर स्वाभाविक रूप से सीमाएं लगती हैं। इसलिए लोकतंत्र की शुचिता और प्रशासन की निरंतरता के बीच संतुलन आवश्यक है। राजस्थान में इस बार चुनावों को अपेक्षाकृत कम समय में संपन्न कराने का प्रयास इसी संतुलन की दिशा में दिखाई देता है।

चुनावी प्रक्रिया जितनी समयबद्ध होगी, उतनी ही जल्दी प्रशासन सामान्य कार्यप्रणाली में लौट सकेगा और निर्वाचित स्थानीय संस्थाएं भी अपने दायित्व संपाल सकेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से चुनावी प्रक्रिया को अधिक समन्वित और कम विखंडित करने की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका व्यापक विचार ‘एक राष्ट्र, एक चुनाव’ की दिशा में चुनावी चक्र को समन्वित करने का है। इसी सोच की राज्य स्तर पर व्यावहारिक अभिव्यक्ति के रूप में राजस्थान में स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों को एक समन्वित चुनावी प्रक्रिया में आगे बढ़ाने की पहल महत्वपूर्ण हो जाती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में इस बार स्थानीय लोकतंत्र के इतने बड़े चुनावी दायरे को सीमित अवधि में समेटने का प्रयास हुआ है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि करीब 80 दिन की आचार संहिता की अवधि में 309 स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं के चुनावी दायित्व को पूरा करने की दिशा में राज्य आगे बढ़ रहा है। इन 309 नगरीय निकायों में 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाएं शामिल हैं तथा 1०,245 पार्षद पदों पर चुनाव होना है। साथ ही 41 जिला परिषदों, 457 पंचायत समितियों और 14,403 ग्राम पंचायतों में भी चुनाव हैं।

पिछली बार स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों की प्रक्रिया लगभग 15 महीने तक अलग-अलग चरणों और अलग-अलग समय में

माखन बनाम मक्खन

केवल देसी घी बनाने की प्रक्रिया में एक बीच का स्टेप। तो यह तो रहा दोनों दुग्ध पदार्थों में अंतर जो मूलतः बनाने की विधि तक ही सीमित है हालांकि दोनों प्रक्रियाओं के निर्माण से सम्बन्धित और भी अनेक कारण रहे होंगे और अभी भी हैं। लेकिन महत्वपूर्ण बात तो ये है कि हमारे बाल स्वर्ण भगवान को माखन इतना प्रिय क्यों था कि माँ यशोदा को एक मटकी में भर कर ऊंचे से छींके पर टांग कर रखना पड़ता था इसमें यध्यपि अन्य जानवरों आदि से सुरक्षा भी कारण रहे होंगे। वह एक अलग पहलू है। भले ही माँ सुरक्षा की दृष्टि से माखन को टांग कर रखती हो लेकिन कृष्ण जो तो किसी भी उपाय से उस छींके तक पहुँच माखन खुद भी लपकते और अपने मित्रों को भी सहभागी बना लेते ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। ये सभी शब्द जो मैंने कहे एक बाल सुलभ जैतानिओं या लीलाओं को ही दर्शाते हैं, इससे अलग कुछ भी नहीं।

अब बात करते हैं इन दोनों दुग्ध पदार्थों के भौतिक, रासायनिक और पोषण गुणों की, ऐसा करते समय लेखक का प्रयास होगा माखन पर अपेक्षाकृत अधिक बल जिस पर लोगों का ध्यान कम ही गया है और जिसे लिखा व प्रकाशित भी कम किया गया है। जैसा मैंने बताया कि माखन छोटे स्तर पर अथवा यों कहें ग्रामीणपरिवेश के किसान परिवारों में बहुधा घर की कोई महिला बनाती है। श्री कृष्ण की मां यसोदा भी माखन खुद ही बनाती थी ऐसा करते समय कृष्ण जो बहुधा निकट ही कहीं होते तो माँ उस नवीन माखन का एक कौर लल्ला को खिला देती। लल्ला जब और देने की ज़िद

करता तो मां नहीं देती। जानती थी अधिक मात्रा हानि कारक हो सकती है। इस परिदृश्य में फिर भक्त सुदामा कृष्ण के पक्ष में बोल पड़ते हैं “मैया कबहि बड़ेगो छोटी, और मैया में नहीं माखन खायो, मैया ग्वालबाल सब बरवस मुख लिपटायो।” आदि-आदि...

...और भी बहुत कुछ। यहाँ मैं पाठकों को बता दूँ कि यह माखन शायद श्रीकृष्ण के काल से पूर्व भी भारत देश में घर-घर में बनता था और इसी से देसी घी बनाने की विधा पनपी। यह घी आहार के साथ तो खाना ही जाता था इसका एक पड़ा हिस्सा यज्ञ में आहुति देने में प्रयुक्त होता। यह आज भी वैसे ही चलन में है। माखन के निर्माण में दूध कभी उबाला नहीं जाता अपितु बरोसी (चिकनी मिट्टी, कुछ पिली मिट्टी – पोता, को गुथकर एक गहरी थालीनुमा चुलेह का बनाकर धुप में सूखा लिया जाता है। सुखाने पर इसके अंदर गोबर से बनें सूखे उपले जलाकर दूध को एक कुम्हार की बानी हांडी में भरकर गर्म किया जाता है जो कब ही उबलता नहीं अपितु उबलने के ताप से नीचे ही कई घंटे तक छोड़ दिया जाता है। इस क्रिया को वैज्ञानिक भाषा में सिमरिंग कहते हैं। इस क्रिया में दूध के हानिकारक जीवाणु तो नष्ट हो जाते हैं। साथ ही दूध के अवयवों से कुछ विशेष तत्व भी पैदा हो जाते हैं। दिन भर सिमर्र किया हुआ दूध ठंडा कर रात को चामन (पूर्वदिवस के देही का एक दो जम्पन) कुछ ठंडी जगह रख दिया जाता है जो भोर तक ही ऐसा करते समय कृष्ण जो बहुधा निकट ही कहीं होते तो माँ उस नवीन माखन का एक कौर लल्ला को खिला देती। लल्ला जब और देने की ज़िद

मेघ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोकिबना रहेगा।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बन्ने लगेगें। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ मन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बन्ने लगेगें। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। सड़क, नाली, सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्थानीय विकास और ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं जैसे अनेक विषय सीधे इन्हीं संस्थाओं से जुड़े होते हैं। इसलिए इन संस्थाओं का समय पर गठन लोकतांत्रिक जवाबदेही के लिए आवश्यक है। चुनाव जितनी जल्दी पूरे होंगे, निर्वाचित प्रतिनिधि उतनी जल्दी अपनी जिम्मेदारी सभालेंगे और स्थानीय विकास की प्राथमिकताओं पर काम शुरू कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 3०9 नगरीय निकायों में चुनाव दो चरणों में करए जा रहे हैं। यह व्यापक चुनावी कवायद अपने आप में प्रशासनिक समन्वय की बड़ी परीक्षा है। इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव भी है। लंबे समय तक चुनाव चलते रहने से राजनीतिक दलों की ऊर्जा लगातार चुनावी गतिविधियों में लगी रहती है। कार्यकर्ता, संगठन और नेतृत्व लगातार एक चुनाव से दूसरे चुनाव की तैयारी में जुटे रहते हैं।

यदि स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनाव अपेक्षाकृत कम समय में संपन्न हो जाते हैं तो राजनीतिक दलों की भी अपना ध्यान व्यापक संगठनात्मक और नीतिगत कार्यों पर लगाने का अवसर मिलेगा। चुनाव लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं है। जनता के बीच लगातार उपस्थित रहना, सरकारों के काम का मूल्यांकन करना, संगठन को मजबूत करना और नीतियों पर संवाद करना, लोकतांत्रिक व्यवस्था का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि किसी भी चुनावी सुधार के सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि चुनाव कितनी जल्दी हुए। असली कसौटी यह होगी कि चुनाव के बाद निर्वाचित संस्थाएं कितनी प्रभावी ढंग से काम करती हैं और सरकार इस अतिरिक्त प्रशासनिक समय का किताना बेहतर उपयोग करती है।

यदि कम अवधि की आचार संहिता के बाद प्रशासनिक णियों में तेजी आती है, विकास परियोजनाओं की गति बढ़ती है और स्थानीय संस्थाएं

लोकतंत्र की ताकत चुनाव से आती है, लेकिन सुशासन की ताकत चुनावों के बीच किए गए काम से तय होती है। यदि राजस्थान चुनावी प्रक्रिया को समयबद्ध करके प्रशासन को अधिक कार्यशील समय दे पाता है, तो यह उस राजनीतिक संस्कृति की शुरुआत हो सकती है जिसमें चुनाव समय पर हों और सरकार का अधिकतम समय जनसेवा और विकास के लिए हो।

—**अलका सक्सेना, अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क (से।न.)**

प्रोबिओटिक जीवाणुओं को स्थापित तो करती ही है अनेक हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट भी कर देती है।

छाछ पीने वालों के शरीर में कभी मोटापा नहीं आता और न कोलेस्ट्रॉल से उपजे हृदय रोग उत्पन्न होते हैं। प्रोबिओटिक, लैक्टिक अम्ल, अन्य पेप्टाइड और कम वसा ऐसे गुण हैं जिनकी बराबरी कोई खाद्य नहीं कर सकता।इलाहाबाद कृषि संस्थान में एक अमेरिकन जेम्स वानर कार्यरत थे उन्होंने डेरीइंग इन इंडिया शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की थी। उस समय वे अपने को बहुत काबिल देरी टीचर मानते थे, उस पुस्तक में उन्होंने देसी घी और उसके निर्माण के संबंधध में अनेक बुराईयां लिखीं। दुर्भाग्य ये था तब डेरी शिक्षा व् अनुसन्धान के क्षेत्र में थी थे।इसलिए किसी भी पदार्थ को बुरा बताने से पूर्व यह निश्चित कर लेना चाहिए।कि दोष पदार्थ में है अथवा पदार्थ निर्मात की विधि में।

पाठकों को मेरे विचार से समझ आ गया होगा कि माखन और फैक्ट्री निर्मित मक्खन में कोण श्रेष्ठ है? यह वे खुद निश्चय लें।

—**प्रो. वीर बहादुर सिंह, पूर्व कुनपति एवं डेरी व खाद्य पद्वं महारणा प्राप्त कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर।**

	मेघ घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।		सिंह नवीन कार्यों के संबंध में सरकारी/आश्रवासन प्राप्त होंगे। अटक के हुए कार्य बन्ने लगेगें। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेगें। व्यावसायिक संपर्क बनेगें।		धनु परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
	वृष परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोकिबना रहेगा।		कन्या आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।		मकर व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना टीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्थिति में सुधार होगा।
	मिथुन आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बन्ने लगेगें। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ मन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।		तुला तुला: परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।		कुंभ परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्जनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।
	कर्क मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बन्ने लगेगें। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।		वृश्चिक स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।		मीन आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बन्ने लगेगें। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्जनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com



जालोर

Rashtradoot

फोन:- 226422, 226423 फैक्स:- 02973-226424

वर्ष: 21

संख्या: 152

प्रभात

जालोर, मंगलवार 8 सितम्बर, 2026

पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24

पृष्ठ 8

मूल्य 2.50 रु.

जर्मनी के चुनाव में ‘‘नैशनलिज़्म’’ की पुरजोर ढंग से वापसी ने सभी को चौंका दिया है

अब तक, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जर्मनी की राजनीति यहूदियों पर हुए अत्याचार से उत्पन्न देशव्यापी ग्लानि पर आधारित रहती थी

–अंजन राॅय–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 7 सितम्बर। क्या इतिहास, यानी किसी समुदाय की सामूहिक याद के तौर पर, आज के चुनाव में कोई भूमिका निभाता है? हां, जर्मनी में पिछले रविवार हुए एक महत्वपूर्ण चुनाव के नतीजों को देखकर ऐसा कहा जा सकता है।

एक कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी, अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी, यानी एएफडी ने देश के एक राज्य में हुए चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इस जीत से पूरे यूरोपीय संघ में चिंता की लहर दौड़ गई है और रूस में खुशी की प्रतिक्रिया देखने को मिली है। इसकी लहरें अटलांटिक पर अमेरिका तक पहुंच गई है और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर चुनाव के नतीजों का जिक्र किया है।

यूरोप हैरान है और इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि क्या

- **पर, वर्तमान चुनाव में राजनीति का आधार ग्लानि को पीछे छोड़कर जर्मनी के अन्य समृद्ध इतिहास की ओर मुड़ा है।**
- **ऐसा लग रहा है, हिटलर की ज्यादातियाँ की याददाश्त को धूमिल कर जर्मनवासी बिस्मार्क की ओर देख रहे हैं।**
- **इस मानसिक बदलाव में, जर्मनीवासी अपने देश को ‘‘एक विचारकों व कवियों’’ के देश के रूप में जानना व याद रखना चाहता हैं।**
- **चाहे, आधुनिक जर्मनी, अधिक समृद्ध है। पर, नई पीढ़ी शायद कुछ कम समृद्धि बर्दाश्त करने को तैयार है, पर, अपनी ‘‘जर्मननेस’’ (जर्मन्स) को बरकरार रखने में ज्यादा खुशी महसूस करना चाहती है।**

यह जर्मन राष्ट्रवाद के फिर से उभरने की एक छोटी सी शुरुआत है। हो सकता है कि नाज़ी दौर के अनुभव के कारण यूरोप अब भी एक तरह की मानसिक बेचैनी

से गुजर रहा हो।

एएफडी ने रविवार को अपने सबसे नए प्रतिद्वंद्वी कंजर्वैटिव क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी, यानी सीडीयू

पर जोरदार चुनावी जीत हासिल की है, जो अपने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी पार्टनर, एसपीडी के साथ गठबंधन में फ़ेडरल लैबल पर शासन करती है।

एएफडी जर्मनी को हिटलर के जर्मनी के बजाय, ओटो फॉन बिस्मार्क के जर्मनी के तौर पर देखने को बढ़ावा दे रही है। वह उन्नीसवीं सदी के जर्मनी और जर्मनी एकता के इतिहास को पढ़ाने की बात कर रही है, जिसमें हिटलर के शासन और राष्ट्रीय समाजवाद, उत्पीड़न और युद्ध की किसी भी गलती को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।

बिस्मार्क ने अनेक छोटे राज्यों और रियासतों को एकजुट करके उस देश की नौव रखी, जो बाद में बीसवीं सदी में जर्मनी बना। पार्टी ‘‘ज्यादा बिस्मार्क और कम हिटलर’’ की बात कर रही है।

नाज़ी शासन को उसके अत्याचारों से बरी नहीं करते हुए, एएफडी उन लोगों की भावनाओं को सामने रख रही है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पैदा हुए हैं (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सत्य निकेतन हादसा, बिल्डिंग की मालकिन, पति व पुत्र गिरफ्तार

नई दिल्ली, 07 सितंबर। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत ढ हने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मकान मालिक के परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संपत्ति की मालकिन उर्मिला गुप्ता (75), उनके पति हरिराम गुप्ता (81) और बेटे महेश

- **हादसे में जान गंवाने वाले 7 लोगों में 6 युवक थे।**

गुप्ता (52) को गिरफ्तार किया है। हादसे के बाद चलाए गए लंबे बचाव अभियान में मलबे के नीचे दबे कुल 12 लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वालों में ज्यादातर युवा छात्र थे।

सरकार को अविलंब आना पड़ा, इसरो के स्टाफ की आशंका दूर करने के लिए

स्टाफ में आशंका का कारण था, ‘‘इन-स्पेस’’ के अध्यक्ष पवन गोयंका का वह वक्तव्य जिसमें उन्होंने कहा था कि ‘‘इसरो अब कोई लॉन्च व्हिकल्स’’ नहीं बनाएगा। यह सारा काम अब प्राइवेट सैक्टर व प्राइवेट पार्टियों के लिए छोड़ दिया जाएगा

–डॉ. सतीश मिश्रा–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 7 सितम्बर। मोदी सरकार ने देश की अंतरिक्ष एजेंसी ‘‘इंडिया स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो)’’ के काम के तेजी से हो रहे निजीकरण को लेकर उसके कर्मचारियों के बढ़ते हुये डर, बेचैनी और चिंता को शुरू में ही खत्म करने की कोशिश की है। कुछ निजी कंपनियों को काम करने के लिए लाइसेंस भी दिए जा रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने इसरो से एक बयान

जारी करने को कहा, जिसमें कहा जाए कि इसरो देश की प्रमुख अंतरिक्ष संस्था बनी रहेगी। यह कदम इसरो के कर्मचारी संगठनों द्वारा इसरो कुछ गतिविधियों को निजी और सरकारी कंपनियों को सौंपने की योजनाओं पर चिंता जताए जाने के बाद उठाया गया। केन्द्र सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब विपक्ष मोदी सरकार को संवेदनशील और रणनीतिक तकनीकों को निजी क्षेत्र को सौंपने की योजना का विरोध कर रहा है। कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने इसरो के कथित निजीकरण को तुरंत

- **पवन गोयंका का इशारा था कि इसरो अब भविष्य में स्पेश रिसर्च व नई-नई टेक्नॉलजी विकसित करने की आर एण्ड डी का ही काम करेगा।**

रोकने की मांग की है।

विपक्ष का विरोध ‘‘आईएन-स्पेस’’ के अध्यक्ष पवन गोयनका के उस बयान के बाद सामने आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ‘‘आखिरकार इसरो कोई भी प्रक्षेपण यान न तो बनाएगा और न ही उसका निर्माण करेगा’’ और इसका पूरा उत्पादन सरकारी उपक्रमों या निजी कंपनियों को पूरी तरह सौंप

दिया जाएगा।

गोयनका के इस बयान के बाद, इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त रूप से विरोध पत्र जारी किया। भारत अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी दुनिया के प्रमुख देशों में से एक है।

इसरो ने मंगल ग्रह पर एक अंतरिक्ष यान भेजा है, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के

पास यान उतारा है और अपना खुद का प्रक्षेपण तंत्र यान विकसित किया है। वह देश की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान की भी तैयारी कर रहा है।

एजेंसी ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘इसरो उन्नत अंतरिक्ष अनुसंधान और तकनीक के विकास, राष्ट्रीय और रणनीतिक अभियानों, अंतरिक्ष विज्ञान और खोज तथा अंतरिक्ष की महत्वपूर्ण और अत्याधुनिक क्षमताओं के लिए भारत का प्रमुख संस्थान बना रहेगा।

इस पोस्ट में उन आशंकाओं को दूर करने की भी कोशिश की गई कि

संगठन का न तो निजीकरण किया जाएगा और न इसका महत्व ही कम किया जाएगा।

यह बयान 4 सितंबर को कर्मचारी संगठन के उस पत्र के बाद आया, जिसे मीडिया ने प्रकाशित किया था और ‘‘रॉयटर्स’’ ने भी देखा था। इसमें इसरो के कुछ कर्मचारियों ने इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन से उन खबरों पर स्पष्टीकरण मांगा था, जिनमें कहा गया था कि वर्तमान में एजेंसी द्वारा संचाली जा रही निर्माण और संचालन की जिम्मेदारियां कंपनियों को सौंप दी जाएंगी।

नई दिल्ली, 07 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि वह जंतर-मंतर पर आरक्षण और यूजीसी के नियमों के खिलाफ प्रदर्शन करने की इजाजत देने पर 14 सितंबर तक फैसला ले। जस्टिस अमित महाजन की बेंच ने ये आदेश दिया। क्षत्रिय करणी सेना 20 सितंबर को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करना चाहती है। कोर्ट ने क्षत्रिय करणी सेना से कहा है कि वह पुलिस को अपना आवेदन दे। पुलिस 14 सितंबर तक उस पर फैसला करेगी और आपको अपने फैसले की जानकारी देगी।

छह विधानसभा व एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को

नई दिल्ली, 07 सितंबर। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों तथा असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराने का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इन छह सीटों पर मतदान छह अक्टूबर को होगा, जबकि मतगणना नौ अक्टूबर को की

- **मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।**

जाएगी। चुनाव प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी।

आयोग के अनुसार, तमिलनाडु की मद्रुरांतकम (अनुसूचित जाति) और धारापुरम (अनुसूचित जाति) विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। पुदुचेरी की थट्टानचावडी विधानसभा सीट तथा पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर भी मतदान कराया जाएगा। इसके अलावा असम की नगांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव होगा। इन सभी सीटों पर रिक्तियां संबंधित निर्वाचित सदस्यों के इस्तीफे के कारण हुई हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की अधिसूचना नौ सितंबर को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है। नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। मतदान छह अक्टूबर और मतगणना नौ अक्टूबर को होगी।

राहुल की यात्रा से पूर्व पायलट को पंजाब की खेमेबाजी का समाधान निकालना है

जिम्मेवारी इतनी आसान नहीं है, क्योंकि, राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मु.मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के साथ, एक बड़े खेमे का नेतृत्व कर रहे हैं

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। पंजाब कांग्रेस में हुए फेरबदल ने पार्टी को प्रदेश इकाई को न केवल हैरान किया है, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दिया है कि केन्द्रीय नेतृत्व के पास जानकारी हासिल करने की अपनी निजी व्यवस्था भी है और वह किसी एक व्यक्ति की राय पर निर्भर नहीं है।

कांग्रेस हाईकमान ने भूपेश बघेल को पंजाब भेजा था, तथा उन्हें गुटों में बँटी प्रदेश कांग्रेस को एकजुट करने की विशेष जिम्मेदारी दी गई थी। अब बघेल को पंजाब से हटा दिया गया है और उनकी जगह सचिन पायलट को यह जिम्मेदारी दी गई है।

पंजाब के नये प्रभारी सचिन

- **साथ ही यह भी विदित है कि राजस्थान के प्रभारी के रूप में रंधावा को गहलोत समर्थक माना जाता है।**

पायलट ने राजस्थान में भी इसी तरह की गुटबाजी का सामना किया है और वे अच्छी तरह समझते हैं कि इससे पार्टी को कितना नुकसान होता है।

एक खास दिलचस्प बात यह है कि सुखजिंदर सिंह रंधावा, जो इस समय चन्नी खेमे में एक प्रमुख नेता हैं, पायलट के गृह राज्य राजस्थान के प्रभारी हैं।

अब पायलट की जिम्मेदारी होगी कि वे रंधावा को चन्नी खेमे से अलग करके अपने साथ लाएं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पंजाब के सभी गुटों में पायलट को स्वीकार किया जाता है और हाईकमान के इस फैसले का पार्टी

नेताओं तथा कार्यकर्ताओं, दोनों ने स्वागत किया है।

अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पायलट के सामने, राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले, सभी नेताओं को एकजुट करने की चुनौती है, ताकि एकता का माहौल बनाया जा सके और जनता को यह संदेश दिया जा सके कि अंदरूनी बदलावों के बाद ‘‘सब चंगा सी’’, यानी सब कुछ ठीक है।

फिलहाल एक गुट का नेतृत्व चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा कर रहे हैं, जबकि विधानसभा में

नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, और प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वर्डिंग अपने-अपने अलग गुटों का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में, राजा वर्डिंग को जिला अध्यक्षों का भी समर्थन हासिल है, क्योंकि उन्हीं ने उनकी नियुक्तियां की थी।

प्रभारी के रूप में बघेल से उम्मीद की गई थी कि वे इन गुटों को एक साथ लाकर पार्टी को मजबूत करेंगे। लेकिन वह इस काम में सफल नहीं हो सके और उन पर आरोप लगा कि वे खुद ही एक अलग गुट बन गए थे।

कांग्रेस हाईकमान को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में बघेल ने यथास्थिति बनाए रखने की सिफारिश की थी और, खास तौर पर, राजा वर्डिंग को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने की बात कही थी।

दिल्ली में संगठन प्रभारी के साथ हुई बैठक में, चन्नी और रंधावा ने वर्डिंग को हटाने की मांग की थी।

इस बीच, राहुल गांधी के पंजाब के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिस जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति पर 14 तक फैसला ले- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 07 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि वह जंतर-मंतर पर आरक्षण और यूजीसी के नियमों के खिलाफ प्रदर्शन करने की इजाजत देने पर 14 सितंबर तक फैसला ले। जस्टिस अमित महाजन की बेंच ने ये आदेश दिया। क्षत्रिय करणी सेना 20 सितंबर को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करना चाहती है। कोर्ट ने क्षत्रिय करणी सेना से कहा है कि वह पुलिस को अपना आवेदन दे। पुलिस 14 सितंबर तक उस पर फैसला करेगी और आपको अपने फैसले की जानकारी देगी।

CM / K

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

CM / K

भरतपुर के सेवर में कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से महिला की मौत, पांच घायल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरबीएम अस्पताल पहुंचे और भर्ती घायलों का हालचाल जाना

भरतपुर, (निर्स)। भरतपुर के सेवर थाना क्षेत्र के सेवर कस्बे में सोमवार को कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में मलबे की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमों मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसा सेवर कस्बे के सिकलीगर मोहल्ले में हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी कच्ची दीवार के ऊपर बना छज्जा अचानक गिर गया। दीवार गिरने के बाद मलबा दूसरे मकान की छत पर जा गिरा, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमों मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए भरतपुर के आरबीएम अस्पताल लाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान एक बुजुर्ग महिला

■ **प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी दीवार थी, जो अचानक गिर गई, राहगीरों से मिली प्रारंभिक सूचना में दीवार के हिलने की बात सामने आई है, यह भी बताया जा रहा है कि किसी जानवर या बंदर से दीवार हिली हो सकती है**

■ **सूचना पर पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमों मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला**

की मौत हो गई। वहीं घायल पांच लोगों का इलाज जारी है। प्रशासन के अनुसार फिलहाल सभी घायल स्थिर बताए जा रहे हैं और चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

घटना की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरबीएम अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों और अधिकारियों से घायलों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच की।

बेहतर और तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए और जरूरत के अनुसार उन्हें हर संभव मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई जाए।

एडीएम सिटी राहुल सैनी ने बताया कि सेवर कस्बे के सिकलीगर मोहल्ले में एक कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से हादसा हुआ। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हुई है, जबकि पांच लोगों के घायल होने की

जानकारी सामने आई है। उन्होंने बताया कि सभी घायल फिलहाल स्टेबल हैं और डॉक्टरों की पूरी टीम उनके इलाज में लगी हुई है। कलेक्टर, एसपी, डीसी और मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की है। अधिकारियों ने चिकित्सकों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को हर संभव उपचार और सहायता उपलब्ध कराई जाए।

जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी दीवार थी, जो अचानक गिर गई। राहगीरों से मिली प्रारंभिक सूचना में दीवार के हिलने की बात सामने आई है। यह भी बताया जा रहा है कि किसी जानवर या बंदर के कारण दीवार हिली हो सकती है, हालांकि हादसे के वास्तविक कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। कलेक्टर ने बताया कि दीवार दूसरे मकान की छत पर गिरने की प्रारंभिक जानकारी है। हादसे में एक महिला की मौत हुई है और पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से पूरे मामले की

युवती की बरामदगी को लेकर थाने का घेराव कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज

बताया जा रहा है कि गुमशुदा लड़की की मां और पिताजी लाठीचार्ज में बुरी तरह घायल हुए हैं, ग्रामीणों को भी चोटें आई हैं

सादुलपुर, (निर्स)। कानावासी गांव की युवती की गुमशुदगी पर युवती को सकुशल बरामद करने की मांग को लेकर धरने पर पांचवें दिन सोमवार को पुलिस थाना हमीरवास का घेराव कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने बर्बर कार्रवाई करते हुए लाठीचार्ज कर दिया।

लाठीचार्ज की सूचना पर पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया मौके पर पहुंची। पूनिया ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे परिजनों और ग्रामीणों पर लाठीचार्ज करना भाजपा सरकार की तानाशाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा किसानों पर लाठीचार्ज को कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। भाजपा सरकार और उसके अन्याय के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

■ **पुलिस द्वारा लाठीचार्ज में महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने का आरोप लगाया है**

■ **लाठीचार्ज की सूचना पर पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया पहुंची**

पूर्व विधायक डॉक्टर कृष्णा पूनिया ने दूरभाष पर चुरू पुलिस अधीक्षक निश्रय प्रशाद से वार्ता कर

ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज की घटना से अवगत कराया। पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया खुद पुलिस थाने के सामने धरने पर बैठ गई और कहा कि भाजपा सरकार की इस तानाशाही का खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा। पूनिया ने कहा कि पुलिस प्रशासन लाठी के दम किसानों को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी हूँ। पुलिस द्वारा जनप्रतिनिधि के साथ अभद्रता करना निंदनीय है।

युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रोहित पूनिया, राशिद खान, अजीत पूनिया, सोनू, नवीन काजला, रामकिशन काजला, अनिता देवी, रामकिशन सहारन, मनीष काजला, मिश्रो देवी, संतोष देवी लाठीचार्ज में घायल हो गए।

दिया गया। पुलिस द्वारा लाठीचार्ज में महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि गुमशुदा लड़की की मां और पिताजी लाठीचार्ज में बुरी तरह घायल हुए हैं। लाठीचार्ज में ग्रामीणों को चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने बातचीत की बजाए लाठीचार्ज से धरने प्रदर्शन को दबाने का का प्रयास किया है। लाठीचार्ज में युवा कांग्रेस विधासभा अध्यक्ष रोहित पूनिया, राशिद खान, अजीत पूनिया, सोनू, नवीन काजला, रामकिशन काजला, अनिता देवी, रामकिशन सहारन, मनीष काजला, मिश्रो देवी, संतोष देवी लाठीचार्ज में घायल हो गए।

मंदिर से चोरी हुये छत्र को खरीदने का आरोपी गिरफ्तार, पांच छत्र बरामद

खेतड़ी, (निर्स)। गोठड़ा थाना पुलिस ने मंदिर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरी के चांदी के छत्र खरीदने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए पांचों चांदी के छत्र बरामद कर लिए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लोकेश पुत्र लखीप्रसाद, निवासी वार्ड नंबर 6, पुराना बाजार पलसाना, थाना रानोली, जिला सीकर के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक कान्वेन्ट सिंह

सागर के निर्देशानुसार थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 2.5 मई को छाजुवाला धाम मंदिर, केशा की ढाणी, तन पुजारी की ढाणी में अज्ञात चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़ दिया और मंदिर से पांच चांदी के छत्र चोरी कर लिए थे। घटना के बाद गोठड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने वारदात में शामिल बलराज, मुकेश कुमार और महिपत सिंह को पहले ही

गिरफ्तार कर लिया था। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने चोरी के चांदी के छत्र खरीदने वाले लोकेश को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए पांचों चांदी के छत्र बरामद कर लिए। पुलिस अब चोरी के दौरान पुलिस ने खरोख से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर भी जांच कर रही है।

जोधपुर के देचू में एक ही रात में छह घरों में लाखों की चोरी

■ **22 तोला सोना, 182 तोला चांदी और 3.10 लाख रुपए ले गए चोर**

निवासी हनुमान राम गवारिया के घर से 22 तोला सोने के गहने, 182 तोला चांदी के गहने और 3 लाख 10 हजार रुपए चुराए। इसके अलावा, मोहनसिंह, हड़वंत सिंह, रानीदान सिंह, गुमानसिंह

और सवाई सिंह के घरों से भी नकदी और गहने चोरी हुए हैं। इन घरों में चोरी हुए सामान को लेकर पुलिस जांच कर रही है। ये सभी पीड़ित देचू के आदर्श स्कूल के पीछे ढाणियों में रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस समय बाबा रामदेव का मेला चल रहा है। चोर इसी का फायदा उठा रहे हैं। देर रात बाबा रामदेवरा जाने वाले यात्री डीजे सार्डेंड का इस्तेमाल करते हैं, जिससे घरों में हो रही चोरियों की आवाज सुनाई नहीं देती।

जोधपुर, (कासं)। देचू के एक निजी स्कूल और आम चोहटा के पास देर रात चोरों ने 6 घरों को निशाना बनाया। चोर यहां से सोने-चांदी के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। अब पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार चोरों ने देचू

अलवर सेंट्रल जेल से उम्रकैद का बंदी फरार

अलवर, (निर्स)। अलवर की सेंट्रल जेल से उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी फरार हो गया। वह जेल के खुले बंदी शिविर से गायब हो गया। रविवार सुबह नियमित हार्जरी में गायब मिलने पर जेल प्रशासन ने कैदी के फरार होने की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बंदी गोपाल उर्फ रामगोपाल पुत्र किशनलाल निवासी नांगल रूपा, थाना खेडली, अलवर का रहने वाला है। अपर जिला व सेशन न्यायधीश कटूमर ने हत्या और आयुध अधिनियम के तहत उसे दोषी ठहराया था और 23 सितंबर 2022 को अदालत ने उसे उम्र कैद की सजा सुनाई थी। जेल प्रशासन के मुताबिक 6 सितंबर की सुबह खुले बंदी शिविर में सभी

चित्तौड़गढ़ जिले के वागन बांध पर चार इंच बरसात हुई

उदयपुर, (कासं)। मानसून की गतिविधियों के बीच पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के कानोड़ और उदयसागर क्षेत्र में भी बारिश हुई,लेकिन उदयपुर शहर में अभी तक तेज बारिश का इंतजार बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में राजस्थान में सबसे अधिक चार इंच बारिश चित्तौड़गढ़ जिले के वागन बांध पर दर्ज की गई। वहीं प्रतापगढ़ के गादोला में एक इंच और बड़ीसादड़ी में दो इंच बारिश हुई। वहीं उदयपुर जिले में कानोड़ में 21 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जो करीब एक इंच के

युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निर्स)। विज्ञान नगर थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार विज्ञान नगर क्षेत्र में 37 वर्षीय युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। विज्ञान नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि विज्ञान नगर निवासी कैलाशचंद (ने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया।

■ **प्रतापगढ़ के गादोला में एक इंच और बड़ीसादड़ी में दो इंच बारिश दर्ज**

■ **बारिश के बावजूद उदयपुर शहर में अभी भी तेज बारिश का इंतजार है**

बराबर है। वहीं उदयसागर क्षेत्र में 13 मिलीमीटर, यानी करीब आधा इंच

कोटा में होमगार्ड की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निर्स)। बोरखेड़ा थाना इलाके में एक युवक की तबियत बिगड़ने से संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार होमगार्ड जवान घर पर खाना खाकर सो गया। उठने के बाद अचानक से तबियत बिगड़ी, जिसे उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। बोरखेड़ा थानाधिकारी

बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के बावजूद उदयपुर शहर में अभी भी तेज बारिश का इंतजार है। शहर और आसपास के इलाकों में लोगों को अच्छी बारिश की उम्मीद बनी हुई है। मौसम विभाग के आगामी पूर्वानुमान के बीच अब निगाहें उदयपुर शहर और जिले में होने वाली अगली बारिश पर टिकी हैं। मानसून के विदा होने का समय आ गया है और अभी तक उदयपुर संभाग सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में तेज बारिश नहीं होने से आमजन के साथ ही किसानों की चिंता बढ़ गई है।

अजीत बागडोलिया ने बताया कि बोरखेड़ा निवासी होमगार्ड अमित कुमार (42) की जन्माष्टमी पर ड्यूटी लगी थी, जिसे बाद वह घर पर था। घर में अचानक से तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

‘वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नागरिकों की भागीदारी जरूरी’

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह को एन.जी.टी. अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने संबोधित किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ हवा केवल पर्यावरणीय आकांक्षा नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक लक्ष्य है। इसे समर्पित प्रयासों, बेहतर योजना और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए हासिल किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। वे सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पर्यावरण भवन में आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह को संबोधित करते हुये न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने वायु गुणवत्ता

■ **10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में लखनऊ पहले, इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहा**

■ **न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने वायु गुणवत्ता में सुधार और 10 तथा 2.5 के स्तर को निर्धारित मानकों के भीतर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए सम्मानित शहरों और वार्डों को बधाई दी**

में सुधार और 10 तथा 2.5 के स्तर को निर्धारित मानकों के भीतर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए सम्मानित शहरों और वार्डों को बधाई दी। समारोह में एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने

पुरस्कार प्रदान किए। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के इंदौर को दूसरा और जबलपुर को तीसरा स्थान मिला। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्वच्छ वायु

कार्यक्रम के तहत शामिल 130 शहरों का वार्षिक आंकलन है। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि वायु प्रदूषण एक जटिल चुनौती है, क्योंकि यह राजनीतिक और प्रशासनिक सीमाओं का सम्मान नहीं करता। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने ऋग्वेद के मधु सूक्त का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में भी मानव जीवन और पर्यावरणीय शक्तियों के बीच समंजस्य तथा वायु और जल की शुद्धता पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझकर उसके अनुरूप व्यवहार करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है।

नशामुक्ति का संकल्प लेकर युवाओं ने सचिन पायलट का जन्मदिन मनाया

‘यूथ के संग नशे के विरुद्ध संकल्प’ कार्यक्रम में युवाओं ने समाज को नशामुक्त बनाने का प्रण लिया

नोहर। कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट के 49वें जन्मदिन पर किसान छात्रावास, नोहर एवं जाट धर्मशाला, पल्लू में सुचित्रा आर्य समर्थक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने जन्मदिन को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए अनूठे अंदाज में मनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ‘यूथ के संग नशे के विरुद्ध संकल्प’ रहा। इस अवसर पर युवाओं एवं

■ **‘सचिन पायलट का संघर्षशील व्यक्तित्व, स्पष्ट नेतृत्व क्षमता और युवाओं से निरंतर जुड़ाव नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है’**

कार्यकर्ताओं ने नशे से स्वयं दूर रहने, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने से सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि नशा आज युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। युवाओं को नशे से बचाना केवल परिवार ही नहीं,



नोहर में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट का जन्मदिन कार्यक्रमताओं ने कैक काटकर मनाया।

बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयासों को जनआंदोलन का रूप देना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सचिन पायलट युवाओं के रोल मॉडल और प्रेरणास्रोत हैं। उनका संघर्षशील व्यक्तित्व, स्पष्ट नेतृत्व क्षमता और युवाओं से निरंतर जुड़ाव नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। ऐसे में उनके जन्मदिन को नशामुक्ति जैसे सामाजिक संकल्प के साथ मनाना युवाओं के बीच

एक सकारात्मक और सार्थक संदेश देने की पहल है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर भी शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि सचिन पायलट के प्रभावी नेतृत्व एवं शानदार संगठनात्मक क्षमता से पंजाब कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी तथा आगामी समय में पार्टी विजय की पताका फहराएगी। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक

कांग्रेस अध्यक्ष के.शुराम पुनिया, ओमप्रकाश कक्वां, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष कृष्ण महिया, मास्टर तरुण मेघवाल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनरत्नल बुढानिया, शीशपाल मील, यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष कालुराम खीचड़, हनुमान कुकना, धूपेंद्र संहारण, धर्मपाल बिस्सू, किसान छात्रावास अधीक्षक मोहन सुथार एवं सेवादल ध्वजवाहक विजय सैन सहित बड़ी संख्या में युवा एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम का चुनावी दौर में है। यहां के 19 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है। इधर, बागी प्रत्याशियों को लेकर भी दोनों दल एक्टिव हो गए हैं। कांग्रेस ने जहां 15 बागी प्रत्याशियों समेत पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ एकशन लेकर उन्हें निष्कासित किया। कांग्रेस के संगठन महामंत्री कुश गहलोत ने बताया कि दो दिन में 40 लोगों को सस्पेंड किया गया है। ताकि

कांग्रेस ने 15 बागी प्रत्याशियों को निष्कासित किया

कार्यकर्ताओं में मेसेज जाए कि संगठन के नियमों के अनुसार ही काम करना है। वहीं भाजपा अपने प्रत्याशियों के सामने खड़े बागियों को मना रही है।

इधर, प्रशासन ने जिले की 6 नगर पालिकाओं में पहले चरण में होने वाले चुनावों को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक सोमवार को जोधपुर पहुंचेंगे।

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण बना : मुख्य सचिव

8 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे : शिखर अग्रवाल

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को आगामी 10 दिसंबर प्रवासी राजस्थानी

■ 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन तक और अधिक एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी के निर्देश दिए

दिवस तक अधिकाधिक एमओयू को धरातल पर उतारने के लक्ष्य के साथ समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।शासन सचिवालय में सोमवार को राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मेलन के दौरान हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक में मुख्य



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए एमओयू के क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक ली।

सचिव ने लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने को कहा। उन्होंने निवेश परियोजनाओं से जुड़ी फाइलें शीघ्र प्रस्तुत करने तथा जिला कलक्टरों के साथ समन्वय कर परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को प्राथमिकता से दूर करने के निर्देश दिए। ऊर्जा एवं राजस्व विभाग से अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने भूमि की पहचान एवं आवंटन से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान करने को कहा, ताकि निवेश परियोजनाओं में अनावश्यक देरी न हो। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग शिखर अग्रवाल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश

प्रस्तावों की ग्रांड्ट ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने स्वीकृति योग्य प्रकरणों को शीघ्र मंजूर करने और जिनमें स्वीकृति संभव नहीं है, उनमें तत्काल निर्णय लेने के निर्देश दिए। बैठक में विभागावार लक्ष्यों और प्रगति की समीक्षा की गई तथा निवेश प्रस्तावों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। संबंधित जिला कलक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

जयपुर, अलवर, सर्वाईमाधोपुर, डीडवाना और कुचामन में जीएसटी विभाग की कार्रवाई

जयपुर । वाणिज्यिक कर विभाग ने कर अप्रवचना, फर्जी बिलिंग, सर्कुलर ट्रेडिंग और अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। जयपुर, अलवर, सर्वाई माधोपुर एवं डीडवाना- कुचामन में किए गए निरीक्षणों में करीब 1.93 करोड़ रुपए की संभावित कर देयता सामने आई, जबकि करदाताओं ने 1.74 करोड़ रुपए से अधिक स्वेच्छिक रूप से जमा या रिवर्स किए।जयपुर की एम/एस पचावती टैवलस एंड कार्गो के यहां 1 सितम्बर को जांच में 1 करोड़ 38 लाख 88072 रुपए की आईजीएसटी आईटीसी का रिवर्सल नहीं किया जाना सामने आया। विभाग की कार्रवाई के बाद करदाता ने पूरी राशि स्वेच्छिक रूप से जमा कर दी। अलवर सॉल्वेक्स के यहां जांच में आग से नष्ट स्टॉक व आईटीसी से जुड़े मामले में करीब 30 लाख रुपए की संभावित देयता

■ निरीक्षण के दौरान 1.74 करोड़ रुपए से अधिक टैक्स स्वेच्छिक रूप से जमा कराया

सामने आई। यहां एम/एस एडल्यूएल एपी बिजनेस लिमिटेड के लिए सरसों तेल की पैकिंग का जाँचवर्क किया जाता है और 11 सितम्बर को दस्तावेज व लेखा पुस्तकों के साथ उपस्थित होने का समन जारी किया गया है। खेरलीवाला प्रोडक्ट्स प्रा. लि., अलवर में करीब 12 लाख रुपए की संभावित देयता के मामले में 10 लाख रुपए जमा कराए गए। सुजानगढ़ के गायत्री स्टोन क्रशर में सर्कुलर ट्रेडिंग, बिना वास्तविक आपूर्ति के बिल, आरसीएम में अंतर और टैन्डओवर छिपाने की आशंका पर करीब 10.15 लाख रुपए की संभावित देयता आंकी गई और बिक्री

संबंधी दस्तावेज जब््त किए गए। सर्वाई माधोपुर के एम/एस शिव ऑयल इंडस्ट्रीज, खंडार में वर्ष 2022-23 की 16,61,504 रुपए और 2023-24 की 12 लाख 37 हजार 80 रुपए, कुल 28.98 लाख रुपए की आईटीसी के उपयोग का मामला सामने आया। इसमें 15 लाख रुपए स्वेच्छिक जमा हुए और विस्तृत जांच जारी है। डीडवाना-कुचामन के मकराना स्थित एम/एस राधे कृष्णा टिम्बर्स में बिना उचित बिलिंग और आईटीसी के जरिए कर देयता कम करने की आशंका पर करीब 12 लाख रुपए की संभावित राशि आंकी गई। करदाता ने 10 लाख रुपए कैश लेकर के माध्यम से जमा किए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी मामलों में दस्तावेज, लेखा पुस्तकों, रिटर्न और डिजिटल डेटा के आधार पर जांच जारी रहेगी तथा तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

मतदान के लिए मिलेगा सवैतनिक अवकाश

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकायों के आम चुनाव के लिए 9 व 11 सितंबर को मतदान होगा। मतदान में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135(ख) के तहत मतदान के दिन मतदाता सूची में नाम वाले नियोजित कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा।संभागीय संयुक्त श्रम आयुक्त प्रज्ञा शर्मा ने बताया कि 9 एवं 11 सितंबर में से जिस तारीख को संबंधित क्षेत्र में मतदान होगा, उस दिन वहां स्थित औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत सभी पात्र कामगारों को सवैतनिक अवकाश मिलेगा।

399 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

जयपुर। जन्माष्टमी को देखते हुए खाद्य सुरक्षा टीम ने 1 से 5 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान दूध, मावा, पनीर, घी, मिठाई, मसाले सहित अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों और

साक्षरता से सशक्त होता है समाज : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं, बल्कि व्यक्ति को ज्ञान, आत्मनिर्भरता, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

देवनानी ने कहा कि एक शिक्षित और जागरूक नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है। साक्षरता व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करने के साथ ही उसे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है तथा समाज की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सक्षम करती है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा ने सदैव शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया है।

ज्ञान व्यक्ति के जीवन को दिशा देने के साथ-साथ समाज में विवेक, समानता, आत्मविश्वास और सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा और ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाकर 1 6 नवंबर तक पालना रिपोर्ट पेश करो : हाईकोर्ट

प्रताप नगर सेक्टर-5 में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर नगर निगम और हाऊसिंग बोर्ड को निर्देश दिए अदालत ने

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रताप नगर से नगर निगम और आवासन मंडल को अतिक्रमण हटाकर 16 नवंबर को पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश विकास समिति सेक्टर 5 की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में प्रमुख नगरीय विकास सचिव सहित जेडीए, निगम और आवासन मंडल के अधिकारी अदालत में पेश हुए। प्रमुख नगरीय विकास सचिव की

राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल ने ली शपथ



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को लोकभवन में राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलाई।

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को लोकभवन में राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलाई। जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने राजस्थान हाईकोर्ट के 44 वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। शपथ के बाद राष्ट्रपति भवन से जारी वारंट पर साइन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्यपाल से जस्टिस संजय के. अग्रवाल को शपथ

दिलवाने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की ओर से सीजे अग्रवाल के नियुक्ति वारंट को पढ़कर सुनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि, हाईकोर्ट के जज, अधिकारी व वकील सहित सीजे अग्रवाल के परिजन भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद सीजे जोधपुर के लिए रवाना हो गए। दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश

शर्मा व सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता के बीच में चल रहे विवाद के दौरान पिछले दिनों ही सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने की सिफारिश की थी। इसके बाद 4 सितंबर को भारत सरकार के विधि व न्याय मंत्रालय ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की और राष्ट्रपति भवन से उनके नियुक्ति वारंट जारी किए गए।

जिंदा बम प्रकरण में उम्रकैद काट रहे अभियुक्त को रिहा करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार किया

जयपुर में साल 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों का मामला

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर । सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर में साल 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्त मोहम्मद सरवर आजमी को रिहा करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसादबी. पराले की खंडपीठ ने यह आदेश सरवर आजमी की ओर से दायर सजा रस्येड के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इससे सामान्य जमानत

के मामले की तरह नहीं देखा जा सकता। प्रार्थना पत्र में अभियुक्त की ओर से कहा गया कि घटना के दिन हुए आठ बम धमाकों में कई लोग मारे गए और कई घायल हुए थे। इसके अलावा एक बम जिंदा मिला था। वह ब्लास्ट हुए बम धमाकों को लेकर चले आठ मामलों में हाईकोर्ट से पहले ही बरी हो चुका है। सभी 9 बम एक ही साजिश का हिस्सा थे, इसलिए यदि उसे आठ मामलों में निर्दोष पाया गया है, तो इस जिंदा बम के मामले में उसे जेल में नहीं रिहा जा सकता।

प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया कि उसे मामले में घटना के 12 साल

■ अदालत ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इससे सामान्य जमानत के मामले की तरह नहीं देखा जा सकता।

बाद गिरफ्तार किया गया और यह करीब पन्द्रह साल जेल में बिता चुका है। इसलिए उसे रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने अदालत को बताया कि जिंदा बम का

मामला आठ अन्य मामलों में पूरी तरह अलग है। जिस साइकिल का उपयोग बम ले जाने के लिए किया गया था, उसे बेचने वाले विक्रेता ने सरवर आजमी को बतौर खरीदार के तौर पर पहचाना है। इस साक्ष्य को पहले के मामलों में हाईकोर्ट ने खारिज नहीं किया था। वहीं आठ मामलों में बरी करने के फैसले के खिलाफ भी राज्य सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। एजजी ने कहा कि देरी से गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि मामला फर्जी है। इसलिए आरोपी की सजा को स्थगित नहीं किया जाए। गौरतलब है कि 13 मई 2008 को शहर

में एक के बाद एक आठ जगह ब्लास्ट हुए थे। वहीं चांदपोल हनुमान मंदिर के पास एक बम जिंदा मिला था। विशेष अदालत की ओर से मिली फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने मार्च, 2023 में रद्द कर सरवर आजमी सहित अन्य आरोपियों को बरी किया गया था। वहीं विशेष अदालत के फैसले के करीब आठ माह बाद अभियोजन पक्ष ने जिंदा बम को लेकर आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। जिसमें फैसला देते हुए अदालत ने 8 अप्रैल, 2025 को शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सैफ, सेफुर्हमान और सरवर आजमी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

कांग्रेस ने रखा जयपुर के कायाकल्प का खाका

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर जयपुर शहर कांग्रेस ने सोमवार को वर्ष 2027 से 2032 तक के लिए अपना घोषणा पत्र 'जयपुर- 2032 परिवर्तन का संकल्प' जारी किया। कांग्रेस ने इसे 'मिशन-25' बताते हुए शहर के विकास से जुड़े 25 प्रमुख मुद्दों पर काम करने का रोडमैप पेश किया। इसमें यातायात, जलभराव, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, खेल, पर्यटन, विरासत, सफाई और नगर निगम की वित्तीय व्यवस्था सहित कई क्षेत्रों के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय किए गए हैं।

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक रफीक खान और अमीन कागजी ने घोषणा पत्र जारी किया। शर्मा ने कहा कि दस्तावेज को तैयार करने में आर्किटेक्ट, वित्तीय विशेषज्ञ और पत्रकारों समेत विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से सुझाव लिए गए हैं। इसमें प्रत्येक कार्य के लिए समय, बजट और परिणाम की निगरानी पर जोर दिया गया है।

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि कांग्रेस ने

■ वर्ष 2032 तक शहर के हालात बदलने का दावा

2032 तक सभी 150 वार्डों में सिटी सेंटर विकसित करने का लक्ष्य रखा है। 2027 में सर्वे कर स्थान चिह्नित किए जाएंगे। हर वार्ड में वार्ड सभा और वार्ड मित्र बनाए जाने का भी वादा किया गया है। हर साल के कार्यों की योजना पहले से तैयार कर काम शुरू और पूरा करने की समय सीमा तय करने की बात कही गई है।वर्ष 2028 तक पूरे शहर का वैज्ञानिक जल निकासी मानचित्र तैयार कर 2032 तक प्रमुख जलभराव वाले क्षेत्रों में 80 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य है। नलों के सुधार, पुलिस पुनर्निर्माण, भूमिगत जल निकासी, वर्षाजल संयंत्रन और प्राकृतिक जलमार्गों के पुनर्जीवन का प्रस्ताव है। 50 प्रमुख मार्गों और 100 चौराहों को आधुनिक यातायात प्रबंधन प्रणाली से जोड़ने, कैमरे और सेंसर के जरिए जाम की निगरानी की योजना है।

पीएम सूर्यधर योजना के लिए वैंडर्स की कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर दें : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में ऊर्जा विभाग की कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पीएम-कुसुम, पीएम सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना, आरडीएसएस, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति, केन्द्र सरकार के स्तर पर लंबित प्रकरणों, राइट ऑफ वे मामलों तथा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त विद्युत संबंधी शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई।मुख्य सचिव ने पीएम सूर्यधर योजना के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए वैंडर्स की क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप के माध्यम से अधिक से अधिक वैंडर्स को प्रशिक्षण देने और वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रमों की और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, ताकि योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।

‘वन स्टेट-वन इलेक्शन’ की पहल राजस्थान से हुई : मदन राठौड़ प्रदेश की जनता ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का मन बना चुकी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बड़े बहुमत के साथ जीत की ओर बढ़ रही है। राजस्थान की जनता विकास के लिए 'ट्रिपल इंजन की सरकार' बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्थानीय निकायों में भाजपा की सरकार बनने से विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा संसाधनों की कमी नहीं रहेगी।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा के पास योग्य और समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या है। टिकट नहीं मिलने से कहीं नाराजगी या विरोध है तो उसे बातचीत और संघटन के स्तर पर दूर किया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन विरोधी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं होंगी और पार्टी की पीठ में छुरा घोंपने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने जंतर-मंतर प्रदर्शन को लेकर भी कहा कि देश और राजस्थान की गौरवशाली परंपराओं को बदनाम करने वालों को



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल के वार्ड 110 में जनसंपर्क किया।

कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल

शर्मा ने राजस्थान में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की पहल की है। स्थानीय

निकाय, पंचायत और सहकारिता क्षेत्र के चुनाव एक साथ होने से बार-बार

चुनावी प्रक्रिया में लगने वाला समय बचेगा और सरकार व जनप्रतिनिधि विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

राठौड़ ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में जयपुर शहर के विधायकों के साथ बैठक कर प्रस्तावित रोड शो की तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने वार्ड 110 की भाजपा प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल, वार्ड 111 के संजय जायसवाल और वार्ड 108 की मीनाक्षी पारीक के समर्थन में जनसंपर्क किया। शाम को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 35 में भाजपा प्रत्याशी विमल कटियार के समर्थन में धावास रोड स्थित यादव मैरिज गार्डन से रजनी विहार, जगदंबा नगर ए, बी, सी, जगदीशपुरी एवं निर्बाक मंदिर क्षेत्र तक रोड शो किया। इसमें विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राजेश्वर सिंह राठौड़ सहित भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। देर शाम वार्ड 137 में भाजपा प्रत्याशी विमल अग्रवाल के समर्थन में भी प्रचार किया।

जैसलमेर नगर परिषद की कमाऊ कुर्सी के लिए शह-मात का खेल

जैसलमेर, (नि.सं.)। थार की मरुभूमि के सियासी गलियारों में इन दिनों एक बार फिर नगर परिषद की कमाऊ कुर्सी को लेकर शह और मात का खेल शुरू हो चुका है।

राजनैतिक हलकों में तैरती खबरों और चर्चाओं की मानें तो, जैसलमेर के पवनसूदा को मोहरा और सीडी बनावार, फकीर परिवार एक बार फिर नगर परिषद की सत्ता पर अपना पूर्ण नियंत्रण यानी सल्तनत स्थापित करने की फिराक में हैं। इस नए खेल ने शहर के जागरूक नागरिकों और विपक्षी खेमों को चौकन्ना कर दिया है, क्योंकि इसके पीछे करोड़ों रुपये की सस्कारी जमीनों के बंदरबांट का पुराना इतिहास छिपा है।

इस पूरे खेल की क्रोनोलॉजी को समझने के लिए इतिहास के पन्नों को पलटना जरूरी है। पूर्व में हरिवल्लभ कल्ला के सभापति कार्यकाल के दौरान जो राजनैतिक घटनाक्रम हुआ, वह जैसलमेर के इतिहास का सबसे विवादित अध्याय माना जाता है।

राजनैतिक विश्लेषकों के अनुसार, उस दौरान रणनीतिक तौर पर पार्षदों और मोहरों को निर्दलीय से कांग्रेस खेमे

में लाया गया था। सत्ता का यह जोड़-तोड़ केवल राजनैतिक वर्चस्व के लिए नहीं, बल्कि नगर परिषद के जरिए शहर के सबसे प्राइम लोकेशंस की जमीनों को अपने चहेते भू-माफियाओं के हवाले करने की एक बड़ी प्रशासनिक और राजनैतिक साजिश का हिस्सा था।

इस राजनैतिक गटजोड़ का सबसे बड़ा शिकार बनी जैसलमेर के ढीबा पाड़ा क्षेत्र की बेशकीमती सरकारी जमीन। सूत्रों और स्थानीय दस्तावेजों के अनुसार, इस पूरे कालखंड में नियमों को ताक पर रखकर आवंटन ढीबा पाड़ा की अत्यंत मूल्यवान और व्यावसायिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण जमीनों को औन-पैने दायों पर भू-माफियाओं को आवंटित कर दिया गया।

सरकारी रेवेन्यू को अरबों का चुना जिस जमीन से राज्य सरकार और नगर परिषद को अरबों रुपये का राजस्व (रेवेन्यू) मिल सकता था, उसे व्यक्तिगत और राजनैतिक स्वार्थों की बलि चढ़ा दिया गया। यह सीधे तौर पर सरकारी खजाने व जनता की संपत्ति पर डाला गया एक सुनियोजित डाका था

पूरे खेल में चंद चुनिंदा भू-माफिया

■ राजनैतिक हलकों में चर्चा है कि फकीर परिवार एक बार फिर नगर परिषद की सत्ता पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने की फिराक में हैं

रातों-रात जैसलमेर के बड़े शक्ति केंद्र बन गए, जिन्हें पदें के पीछे से फकीर परिवार और तत्कालीन नगर परिषद प्रशासन का खुला संरक्षण प्राप्त था।

आज जब जैसलमेर में फिर से नगर परिषद की गद्दी को लेकर अंदरूनी खींचतान जारी है, तब शहर के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि पवन सूदा जैसे चेहरे केवल एक मुछौटा हैं। असली मकसद जैसलमेर की बची-कुची बेशकीमती जमीनों, पट्टों के खेल और नगर परिषद के भारी-भरकम बजट पर पुनः उसी विशेष परिवार का एकाधिकार स्थापित करना है।

इतिहास गवाह है कि जब-जब ऐसे

जालोर में तीसरा मोर्चा कमजोर साबित होने लगा

■ चुनाव से पहले भाजपा व कांग्रेस को टक्कर देने का दम भरने वाला तीसरा मोर्चा की बजाए निर्दलीय प्रत्याशी परेशानी बने हुए हैं

■ तीसरा मोर्चा के रूप में जालोर बचाओ विकास समिति व परिवर्तन विकास पार्टी ने तैयारी की

रुपराज राजपुरोहित शिव सेना के जिला प्रमुख भी हैं तथा पिछले कई समय से लोग की समस्या सुनने के साथ धरना प्रदर्शन करते आये हैं, लेकिन विकास चुनाव में जालोर बचाओ विकास समिति का जादू कम नजर आ रहा है। कुछ वार्डों में जरूर प्रभाव है, लेकिन कई वार्डों में स्थिति बिल्कुल वितरित नजर आ रहा है।

स्वार्थी तत्वों को राजनैतिक सीढ़ी बनाया गया, तब-तब जैसलमेर के विकास का बजट और यहाँ की सरकारी जमीनें चंद रसूखदारों की तिजोरियों में बंद हो गई। अब देखना यह है कि क्या मारवाड़ का वर्तमान राजनैतिक नेतृत्व और सजा जनता इस कमाऊ नगर परिषद को पुनः उसी पुरानी सल्तनत का हिस्सा बनने देगी, या फिर भू-माफियाओं के इस नए चक्रव्यूह को समय रहते ध्वस्त कर दिया जाएगा।

जैसलमेर नगर परिषद और ढीबा पाड़ा भू-खंड आवंटन विवाद के दौरान तत्कालीन विपक्ष व बागी पार्षदों ने बोर्ड बैठकों और मीडिया में तीखे बयान देते हुए जनता की धोधार को कौड़ियों के दम लुटाने और परिषद की वित्तीय रीढ़ तोड़ने का आरोप लगाया था।

पार्षदों का कहना था कि निर्दलीय समर्थन का इस्तेमाल केवल जमीनों के खेल और चुनिंदा लोगों को उपकृत करने के लिए किया गया था।

इस संबंध में अधिक जानकारी स्थानीय नगर परिषद रिकॉर्ड्स और जैसलमेर की राजनीतिक रिपोर्ट्स में उपलब्ध है।

सीधे मुकाबले में भाजपा के युवा चेहरे की पकड़ व संगठनात्मक ताकत की परीक्षा

जैसलमेर, (नि.सं.)। नगरपरिषद चुनाव में वार्ड 32 का मुकाबला इस बार सीधा है। भाजपा के युवा प्रत्याशी विजय डांगरा और कांग्रेस के पवन सूदा आमने-सामने हैं। वार्ड में कुल 1,069 मतदाता और एक मतदान केंद्र है, ऐसे में अंतिम परिणाम में व्यक्तिगत संपर्क और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने की क्षमता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विजय डांगरा की चुनौती ताकत का एक प्रमुख पहलू उनका युवा चेहरा और स्थानीय स्तर पर लगातार संपर्क है। उनके समर्थक उनके सरल व्यवहार और परिवार से मिले संस्कारों को उनकी राजनीतिक पहचान का हिस्सा बताते हैं।

उनका फोकस केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं, बल्कि आगे नगरपरिषद में सक्रिय भूमिका निभाने और जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने का है।

विजय डांगरा के पक्ष में भाजपा का संगठनात्मक नेटवर्क भी एक महत्वपूर्ण है। भाजपा ने उन्हें वार्ड 32 से अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में व्यक्तिगत संपर्क के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं और बू्थ स्तर की व्यवस्था को उनके पक्ष में महत्वपूर्ण आधार माना जा सकता है।

चुनावी चर्चा में विजय डांगरा की

व्यक्तिगत पकड़ को लेकर सकारात्मक माहौल की बात सामने आती है, लेकिन चुनौती राजनीति में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि समर्थन की चर्चा वास्तविक वोट में कितना बदलती है।

एक हजार से कुछ अधिक मतदाताओं वाले वार्ड में घर-घर संपर्क, परिवारों से संबंध, मतदाताओं की व्यक्तिगत पसंद और मतदान प्रतिशत-ये सभी परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए केवल भौड़, प्रचार या सोशल मीडिया की सक्रियता को जमीनी पकड़ का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

विजय डांगरा का पवन सूदा से सीधा मुकाबला

दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी पवन सूदा भी अपने स्थानीय संपर्क और समर्थकों के आधार पर मुकाबले में हैं। इसलिए विजय डांगरा के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल कांग्रेस प्रत्याशी से मुकाबला करना नहीं, बल्कि अपने पक्ष में दिखाई दे रहे समर्थन को अंतिम समय तक बनाए रखना और मतदान में बदलना है।

चेन लूट के दो आरोपियों को दिल्ली से पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के नागौरी गेट राम मोहल्ला ने एक सितंबर को चूड़ा के गले से चेन लूटकर ले जाने के संबंध में पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को दिल्ली से पकड़ा है। आरोपियों से लूट की अन्य घटनाओं के संबंध में पड़ताल जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागौरी गेट थाना पुलिस ने बताया कि 1 सितंबर को सुधीर टाक पुत्र विजय सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया था। उसके अनुसार उसकी माताजी शाम के समय घर के बाहर बैठी थी तब दो बदमाश आए और पता पूछने के बहाने उनके गले से चेन तोड़कर भाग निकले। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की टीम का गठन किया।

पुलिस ने अब दो आरोपियों उत्तरपूर्वी दिल्ली के सिलामपुर निवासी इकबाल उर्फ पसीनी उर्फ गुडा और न्यू सलूबर उतर दिल्ली निवासी बसीम उर्फ इमरान को गिरफ्तार किया है।

इस बारे में पकड़े गए अभियुक्तों से पूछताछ के साथ अन्य वारदातों का भी पता लगाया जा रहा है।

पाली, (नि.सं.)। पाली नगर निगम के चुनाव अब चरम सीमा पर हैं भाजपा 64 और कांग्रेस 54 पर चुनाव लड़ रही है। वार्ड 55 में कांग्रेस प्रत्याशी भाजपा के समर्थन में बैठ गए। चुनाव में कई नेताओं के पति-पुत्र-पत्नी खड़े हैं। वहीं 8 तारीख को मुख्यमंत्री के रोड शो है।

चुनाव में पूर्व सभापति कुसुम सोनी भाजपा का टिकट नहीं मिलने के कारण निर्दलीय खड़ी हुई। वहीं पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़ की पत्नी राजबाला कांग्रेस से मेयर की दावेदार है। कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी व जिला अध्यक्ष शिशुपाल सिंह प्रत्याशियों के समर्थन में रोज वार्ड में पहुंच रहे हैं। वहीं भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानचंद पाराख व जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी पूरे शहर में अपने प्रत्याशियों का प्रचार में जुटे हैं।

वार्ड एक नंबर और दो नंबर दोनों जगह कांग्रेस के गजेंद्र सिंह मंडली व नीलम बिरला प्रचार में आगे चल रहे हैं। वहीं वार्ड 32 में पूर्व सभापति राकेश भाटी जो भाजपा से कांग्रेस में आए हैं, रैली निकाल कर ताकत दिखा चुके हैं। उनके सामने उनके साले की बहू पूर्णिमा

वार्ड 32 में किसी तीसरे मजबूत प्रत्याशी के कारण वोटों के बंटवारे वाली स्थिति नहीं होने से मुकाबला और अधिक सीधा हो गया है। यही वजह है कि यहां दोनों प्रमुख प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि, घर-घर संपर्क और संगठन की सक्रियता निर्णायक बन सकती है।

वार्ड 32 में विजय डांगरा के लिए चुनाव युवा नेतृत्व, व्यक्तिगत जमीनी संपर्क और भाजपा संगठन-तीनों को एक साथ परिणाम में बदलने की परीक्षा है। यदि उनका व्यक्तिगत समर्थन बू्थ स्तर पर भी प्रभावी मतदान में बदलता है तो वे मजबूत स्थिति बना सकते हैं। लेकिन अंतिम फैसला मतदाताओं के मतदान से ही होगा।

वार्ड 32 का सवाल अब यह नहीं कि किसके पास ज्यादा प्रचार है, बल्कि यह है कि मतदान के दिन किस प्रत्याशी का जमीनी संपर्क सबसे अधिक वोट में बदलता है।

वार्ड 35 में सुशीला के समर्थन में विधायक भाटी का प्रचार

जैसलमेर। नगरपरिषद चुनाव को

लेकर वार्ड संख्या 35 में भाजपा प्रत्याशी सुशीला देवी जेठा के समर्थन में सोमवार को विधायक छोटू सिंह भाटी ने जनसंपर्क एवं चुनाव प्रचार किया। विधायक भाटी के वार्ड में पहुंचने पर डा. जेठा ने उनका माल्यापण कर एवं शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इस दौरान विधायक भाटी ने वार्डवासियों से संवाद करते हुए भाजपा सरकार एवं स्थानीय स्तर पर किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने विशेष रूप से शहर में पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

भाटी ने वार्डवासियों से भाजपा प्रत्याशी सुशीला देवी जेठा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने के लिए भाजपा को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने सुशीला देवी जेठा को भारी मतों से विजयी बनाने का आ न किया।

प्रचार के दौरान वार्ड के भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में माहौल बनाने का प्रयास किया गया।

अन्योदय श्रेणी में गलत पहुंचे परिवार जांच के घेरे में

जैसलमेर, (नि.सं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अत्यंत गरीबों के लिए निर्धारित अन्योदय श्रेणी का लाभ गलत तरीके से लेने वाले 66 परिवार जिला रसद विभाग की जांच के घेरे में आ गए हैं। जांच के दौरान उन परिवारों के राशनकार्ड सामने आए हैं, लेकिन अन्योदय श्रेणी में चयन से संबंधित वैध दस्तावेज आवेदन के साथ नहीं मिले। कई कार्ड पहले बीपीएल और एपीएल श्रेणी में थे, जिन्हें बाद में ई-मित्र के माध्यम से अन्योदय श्रेणी में परिवर्तित कर दिया गया।

■ जैसलमेर जिले के 66 परिवार की जांच

जिला रसद अधिकारी सवाई राम ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने संबंधित राशन कार्डधारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। परिवारों को वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। निर्धारित अवधि में दस्तावेज पेश नहीं करने पर उनसे गेहूं की राशि वसूल की जाएगी। उन्होंने बताया कि सामान्य एनएफएसए और सामान्य परिवारों को अन्योदय योजना की तुलना में कम गेहूं मिलता है। सामान्य को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं, जबकि अन्योदय परिवार को प्रति राशनकार्ड 35 किलोग्राम गेहूं प्रतिमाह उपलब्ध करवाया जाता है। ऐसे में गलत तरीके से श्रेणी परिवर्तन करापे जाने से खाद्य सुरक्षा योजना के वास्तविक पात्रों के अधिकार प्रभावित होने की आशंका है।

विभाग ने साफ़ किया है कि केवल राशनकार्ड धारियों की ही नहीं, बल्कि ई-मित्र संचालकों की भूमिका की भी जांच होगी। यदि जांच में किसी ई-मित्र राशनकार्ड की ओर से नियमों की विपरीत आवेदन कराया जाना सामने आता है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि इन परिवारों की नोटिस जारी कर दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा रहा है, अगर वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं तो अब तक उन्होंने जो भी गेहूं लिया है। उसकी 32 रूपये की प्रति किलोग्राम की दर से वसूली की जाएगी।

गर्ग ने संकल्प पत्र के वादे पूरा करने का भरोसा दिया

जालोर, (कासं)। निकाय चुनाव को लेकर सोमवार को एक निती होटल में जालोर विधायक (मुख्य सचेक) जोगेश्वर गर्ग ने प्रेस वार्ता में मीडिया के समक्ष नगरीय निकाय संकल्प पत्र जारी करते हुए जनता को वादे निभाने का आश्वासन दिया।

प्रेस वार्ता में विधायक गर्ग ने कहा कि वीर वीरमेदव पैरामा निर्माण का कार्य प्रापित पर है, भगवत्सिंह स्टेडियम में इंडोर टेबल टेनिस व बैडमिन्टन कोर्ट्स का निर्माण, विवेकानुद युवा हास्टल का निर्माण, बैधानाथ महादेव मंदिर से केशवाना रोड तक रोड लाईट, सुन्दलाव तालब स्थल पर दो करोड़ की लागत से तालाब के सौन्दर्य एवं विकास का कार्य किया जा रहा है। लव कुश वाटिका का निर्माण, तालाब की पाल पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण, रिंग रोड,चित्तहण्णी, वानरानाडी, पीएचईडी ऑफिस शिवाजी नगर, रतनपुरा रोड, धवला नाराणवास सडक का निर्माण कार्य, आरओबी निर्माण,सिफ्टि हाउस में करीब साढ़े सत्तर लाख रुपये का कार्य, सांख्यिकी कार्यालय का नवीनीकरण, डिफेंस ट्रेनिंग सेंटर जालोर सहित कई विकास कार्य करवाये।

डॉ.पवन ओझा को अर्वाइ मिला

जालोर, (कासं)। नर्सिंग क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीक को आम सनौ कदम पहुंचाने के संकल्प के साथ नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया एवं आरएच हेल्थ केयर सिसुलेशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ‘लौबल नर्सिंग समिट-2026’का भव्य आयोजन जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के ऑडिटोरियम में किया गया।

इस मौके पर राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय जालोर से फैकल्टी मोहनसिंह गुर्जर ,यशवंत दुलार, डिंपल गर्ग , सुरेश गर्ग राक्षेय्या, देवाराय , राजेश मुंडोंतिया, गोविंद सहित 50 से अधिक प्रतिभाग्यार्थियों ने कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया।

- नून से हवाई जहाज उडाने के प्रश्न पर गर्ग ने कहा कि मेरे कार्यकाल में ही नून से हवाई जहाज उड़ेगी**
- ‘हाथी, घोड़े, भैंस आदि रोड पर नहीं घूमते हैं, केवल गाय ही क्यों घूमती हैं, इसके लिए हम लोग दोषी हैं’**

इसके अलावा भाजपा ने जारी संकल्प पत्र में नगरीय निकाय कार्यों का विकास करने का भी जनता से वादा किया। प्रेस वार्ता में कांठोस के तर्ज पर पांच सौ रुपये में पट्टा जारी करने के प्रश्न पर विधायक गर्ग ने कहा कि निकाय चुनाव में बोर्ड बनने पर भाजपा भी गरीब लोगों को पांच सौ रुपये पट्टे जारी करेगा। वहीं भाजपा के नगरीय निकाय संकल्प पत्र भी विधानसभा चुनाव में की गई घोषणा पत्र की तरह केवल घोषणा रहेगी या धरातल पर काम होगा के प्रश्न पर विधायक गर्ग ने कहा कि भाजपा ने जो संकल्प इस बार लिया है ,वह जनता के बीच जाकर पूरा करेंगे। उन्होंने भाजपा का बोर्ड बनने पर वादे पूरे किये जायेंगे। विधानसभा चुनाव में किये गये वादे जवाई बांध का पानी जालोर को दिलाने तथा नून से हवाई जहाज उडाने के प्रश्न पर विधायक गर्ग ने कहा कि मेरे कार्यकाल में ही नून से हवाई जहाज उड़ेगी, इसके

लिए मेरे द्वारा प्रयास पूरे किये जा रहे है। वहीं विधायक जवाई बांध के पानी पर जालोर का हक तय करने को लेकर मौन धारण किये नजर जाये। वहीं शहर में घूम रहे निराश्रित मवेशियो के प्रश्न पर विधायक गर्ग ने कहा कि यह बडी विडम्बना है कि हाथी, घोड़े, भैंस आदि रोड पर नहीं घूमते है, केवल गाय ही क्यों घूमती है, इसकेलिए हम लोग दोषी है। विधायक गर्ग निकाय चुनाव में भाजपा का बोर्ड बनाने को लेकर आश्वासत नजर आये। वहीं विधायक गर्ग ने कहा कि भाजपा का बोर्ड बना तो शहर के विकास कार्यों में कोई कमी नही छोडी जायेगी।

इस दौरान सांसद लुम्बाराम चौधरी, संगठन प्रभारी महेन्द्र मेघवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, आहोर् के पूर्व विधायक शंकरसिंह राजपुरोहित, नगर अध्यक्ष रवि सोलंकी, भाजपा युवा मोर्चा के गजेन्द्रसिंह सिसोदिया मौजूद रहे।

सचिन पायलट का जन्मदिन मनाया

जालोर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव पूर्व उपमुख्यमंत्री राबस्थान सरकार व पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट का जन्मदिन के अवसर पर सोमवार शाम जालोर के नारानावास स्थित के. फार्म हाउस में पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन पीसीसी के

एक हजार पौधों का वितरण किया

कांग्रेस के लोकप्रिय नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार शाम जालोर के नारानावास स्थित के. फार्म हाउस में पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन पीसीसी के

■ जालोर शहर में पौधारोपण व भोजन का कार्यक्रम हुआ

पूर्व सहवर्त सदस्य फिरोज मेहर के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। साथ ही ग्रामीणों को करीब 1000 पौधों का वितरण किया गया, ताकि गांवों में अधिक से अधिक पौधरोपण कर हरियाली को बढ़ावा दिया जा सके। पौधरोपण कार्यक्रम में खेजली, नारानावास, भागली गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

आहोर् संवाददाता के अनुसार : आहोर् कांग्रेस कार्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब प्रभारी सचिन पायलट का जन्मदिवस शोरी शोकेत के साथ मनाया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने केक काटकर पायलट का जन्मदिन मनाया।

कार्यकर्ताओं ने पायलट की लंबी उम्र के साथ संगठन में उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी रही सरोज चौधरी, कांग्रेस के विधानसभा प्रभारी डॉ संजीव राजपुरोहित, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल, जिला अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ढोडीयाली, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सचिव खुशालसिंह राजपुरोहित, पूर्व उपाध्यक्ष आमसिंह परिहार सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

■ नगर निगम चुनाव में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से रोष

पैराशूट उम्मीदवार उतारे जाने से आक्रोशित घोसी समाज ने जोधपुर के 10 घोसी समाज बाहुल्य वार्डों में कांग्रेस के पूर्ण बहिष्कार का ऐलान किया है।

उन्होंने बताया कि समाज की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि यह बहिष्कार केवल स्थानीय निकाय चुनाव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस को

दुष्कर्म का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक युवती के साथ उसके भाई के दोस्त ने दुष्कर्म किया। घटना रविवार दोपहर की है।इसमें मीडि़ता की तरफ से अब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

पौडिता का मेटाडिक करवाए जाने के साथ अब अग्रिम जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिला पश्चिम में पौडिता रविवार को दोपहर में अपने घर पर अकेली थी।

जालोर में कांग्रेस की सभा हुई

जालोर, (कासं) । जालोर नगर परिषद चुनाव 2026 को लेकर कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान को गति देने के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन मे आमसभा दोपहर 12.3.00 बजे डॉ. भीमराव अम्बेकर सभा स्थल हरिदेव जोशी सँकित पर हुई।

पुखराज पाराशर (पूर्व राज्य मंत्री दर्जा) ने कहा कि भाजपा के नेता केवल वार्तें करते हैं, जबकि काम और विकास से उनका कोई लेना-देना नहीं है। लंबे समय तक जालोर नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड रहने के बावजूद शहर की स्थिति बदलाने है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय स्वीकृत कार्यों को भाजपा नेताओं द्वारा बेवजह रोकेन का प्रयास किया गया है- उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री स्तर पर कोई कार्य स्वीकृत होता है तो उसके तकनीकी कार्यों से रुकने की बात समझ से परे है। उन्होंने भाजपा शासन में भू-माफियाओं को लाभ पहुंचाने का आरोप भी लगाया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमिला मेघवाल ने कहा कि शहर में पेयजल और सीवरज की बड़ी समस्या है, जिसका समाधान भाजपा के 15 वर्षों के नगर परिषद बोर्ड के कार्यकाल में नहीं हो सका।

आमसभा को जालोर विधानसभा

राजस्थान क्रिकेट संघ की वार्षिक साधारण सभा 29 सितम्बर को : आरसीए प्रशासक

आरसीए चुनाव को लेकर प्रक्रिया का अधिकारिक नोटिस जारी : ए.के. पांडे

जयपुर, 7 सितम्बर। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन के लिए नियुक्त प्रशासक वरिष्ठ आईएएस बास्कर ए सावंत (अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग) के निर्देशानुसार आज राखण उच्च न्यायालय में प्रस्तुत शपथ पत्र (एफेंडेविट) में दिए गए आरसीए चुनावों की विस्तृत समग्र सारणी के अनुसार आरसीए की चुनाव प्रक्रिया दिनांक 7 सितम्बर से 29 सितम्बर 2026 के दौरान संपन्न करने, चुनाव का नोटिस (अधिकारिक वोटर लिस्ट अकाउंट की सूचना आरसीए क्रिकेट संघों को ईमेल व माध्यम से जारी किया गया।) ने 3 नए जिलों को आरसीए शामिल किया है। इनमें संकुमान डीडवाना और बाला को शामिल किया गया है।

चुनावी कार्यक्रम के सिंबल को चुनाव कार्यक्रम साथ बनरल मॉटिंग का नोटिस दिया गया है। इसके बाद सेंट्रल

24 को नामांकन, 28 तक नाम वापस लेने का मौका

अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के अगले दिन 24 सितंबर को उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 25 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और इसी दिन पात्र उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी।

उम्मीदवारों के पास 28 सितंबर तक नाम वापस लेने का मौका रहेगा। ऐसे में चुनाव निर्विरोध नहीं होता और मतदान की स्थिति बनती है तो 29 सितंबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान के साथ ही उसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

तीन नए जिले शामिल करने से बड़े वोटिंग राइट

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में अब तक 33 जिला संघ थे। इनके अध्यक्ष कोषाध्यक्ष और सचिव तीन में से कोई भी चुनावी मैदान में उतर सकता था। जबकि सिर्फ सचिव के पास वोटिंग राइट होता था। चुनाव अधिकारी और प्रशासक ने तीन नए जिलों को शामिल कर दिया है। ऐसे में अब 108 लोग फिलहाल आरसीए चुनाव लड़ने योग्य हैं। आरसीए वोटर में 36 जिला सचिव के साथ ही राजस्थान से इंडिया खेलने वाले 2 खिलाड़ी पंकज सिंह और गगन खोड़ा वेटा डे संकेत।

जय शाह के ग्लोबल विजन के तहत भारत बनाम जापान ट्वेंटी-20 मैच क्रिकेट विस्तार की बड़ी पहल : सैकिया



सितंबर को जापान में ऐतिहासिक टी20 मैच खेलेंगे। मैच तोंचिगी प्रांत के सागो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर खेला जायेगा। सुबुकी कप के तहत होने वाला यह मैच भारत और जापान के राजनयिक रिश्ता को 75 वीं सालगिरह पर आयोजित किया गया है। सैकिया ने कहा कि क्रिकेट को नये क्षेत्रों में ले जाने के आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के प्रयासों के तहत इस मैच का आयोजन किया गया है। सैकिया ने एक्स पर लिखा, “क्रिकेट का वैश्विक स्तर उन पलों से आकार ले रहा है जो इस खेल को इसकी पारंपरिक सीमाओं से आगे ले जाते हैं। 22 सितंबर 2026 को होने वाला भारत-जापान टी20 मैच भी ऐसा ही एक पल है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

ने जापान तक ले जा रहा है, नए दर्शकों में जोड़ रहा है और अपार संभावनाओं वाले इस क्षेत्र में खेल की मौजूदगी को गजबूत कर रहा है।”

उन्होंने आज लिखा 'श्री जय शंहराज' के उस विजय और जमीनी काम को लहवाना का भी मौका है जो उन्होंने लिखा 'सिआसीआई सचिव और अब आईसीसी के अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट के भविष्य में उसके वैश्विक काम को सबसे अहम लगा देने के लिए किया है।' भारत टी२० विश्व कप चैम्पियन और नंबर एक टी२० टीम के रूप में जापान आईसीसी टी२० रैंकिंग में ११वें स्थान पर है। भारत की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे जबकि उपकप्तान तिलक वरुण, स्टार बल्लेबाज विप्लव सूर्यवंशी और नमंजु सैमसन भी टीम में हैं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : ईशान किशन का तूफानी दोहरा शतक, ईस्ट जोन ने पहली पारी में बनाए 708 रन



कुशाग्र के आउट होने के बाद भी किसान ने आक्रामक अंदाज जारी रखा। उन्होंने वृत्तसरसम गाँव के गोपाल के एक अणु में तीन चौंके जुड़े और महज 270 गैँदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इसके बाद किसान ने तेजी से 250 रन के कारा साइकड़ पर किया और टीम को 600 रन के कारा पहुँचाया। साउथ जोन को उम्मीद थी कि ईस्ट जोन जल्द पारी घोषित कर देगा, लेकिन किसान के इरादे कुछ और थे। थकान के कारण उन्हें कुछ समय के लिए रिटाइर होना पड़ा। बाद में मोहम्मद शमी के 28 रन पर आउट होने के बाद किसान फिर मैदान पर लौटे और दुर्लभ तिहरा शतक पूरा करने की कोशिश की।

दूसरे छोर पर लिगाहोर विकेट ग्रीन की तरफ की सड़क की लम्बी शतक की उम्मीद पूरी नहीं हो सकी। वह लॉग ऑन के पास कैच देकर 270 रन पर आउट हुए और 300 रन से से 30 रन दूर रह गए। अपनी पारी ने ईस्ट इंडीज को 708 रन के विशाल स्कोर तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई। 708 रन के जवाब में साउथ जोन के सामने अथ थके हुए दिग्गजों के बाद चुनौती पन लक्ष्य है। दूसरे छोर पर खेले जा रहे हैं। ईस्ट जोन ने खराबता पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

चेन्नई, 7 सितंबर। कप्तान ईशान किशन की 270 रन की शानदार पारी और कुमार कुशाग्र के शतक की बदौलत ईस्ट जोन ने पहलीप ट्राफी फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। चेन्नई में मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को ईस्ट जोन की पहली पारी 708 रन पर समाप्त हुई। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चेन्नई के मैदान पर यह तीसरा मौका है, जब किसी टीम ने 700 से अधिक रन बनाए हैं।

385 रन पर चार विकेट से आगे खेलने उतरी ईस्ट जोन की टीम ने दूसरे दिन भी शुरुआत से ही तेजी से रन बनाए। साउथ जोन

अरुणाचल प्रदेश से 3-1 से हारी राजस्थान टीम

नारायणपुर, 7 सितम्बर। नारायणपुर में आयोजित जूनियर बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप ट्राफी में राजस्थान की टीम को मैच में सफाई नुमा कर मुकामले में अग्रगण्य प्रदेश की मजबूत टीम के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। हालाँकि, पूरी प्रतिযোগिता में राजस्थान टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। लंबे समय के बाद राजस्थान की टीम ने मैच में सफाई नुमा जगह बनाई और सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

सर्माफाइनल मुकाबले का शुरुआत सही अरुणाचल प्रदेश की टीम ने राजस्थान पर लगातार आक्रमण किए। राजस्थान की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने शानदार बचाव करते हुए कई हमलों को नाकाम किया। इसके बाद बज्रजूद मैच के 16वें मिनट में अरुणाचल प्रदेश की टीम ने पहला गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी आक्रामक खेल दिखाया।

और लगातार हमले किए। मैच के 26वें मिनट में अरुणाचल प्रदेश ने एक और गोल कर अपनी बढ़त 2-0 कर ली। राजस्थान ने हार नहीं मानी और शानदार वापसी करते हुए मैच के 45वें मिनट में हर्षवर्धन ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया।

पर लगातार हमले किए। मुकाबला काफी रोमांचक रहा। इसी दौरान अरुणाचल प्रदेश की टीम ने एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद राजस्थान के खिलाड़ियों ने कई जोरदार हमले किए, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिल सकी।

अंततः राजस्थान टीम को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा और उसका प्रतियोगिता में सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। लंबे समय बाद सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली राजस्थान टीम के सभी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

**किशन एम. रूंगटा मेमोरियल गोल्फ में पुष्पेंद्र
राठौर विजेता, डॉ. देवेंद्र उप विजेता**

जयपुर, 7 सितम्बर। जयपुर के



मैं मैं विनोद कुमार शर्मा विजेता और प्रियांशु शर्मा 17 से 24 में विजेता गौरव भल्ला और प्रदीप में मनोविराज शेखावत विजेता व गिरिराज कृष्ण यादव और उप विजेता दीप करण सिंह खड्डा में डॉ एच एस भसीन, बेस्ट सीनियर गोल्फर में ईवा सोनी विजेता रहे।

आरपोसी कप के फाइनल में टीम जयपुर रही विजेता, नाइट पोलो देखने उमड़ी दर्शकों की भारी भीड़

जयपुर, 7 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो संस्करण राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर आरंभ की एक दृष्टि (04 गोल्स) का फाइनल खेला गया। यह मुकाबला फर्गुसन इन्स्टीट्यूट की रोशनी में टीम और टीम राजबाग/मेफेर पोलो के बीच आयोजित हुआ। मुकामले में टीम राजबाग 11-6 के स्कोर से टीम राजबाग/मेफेर पोलो को हराकर दृष्टि में टीम पोलो क्लब में मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शन उपस्थित रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष महिंद्र ने कहा कि "आज नवंबर में मुकामला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शन हमारे प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को नाइट



पोलो मैच आयोजित किए जाएंगे।” विजेता टीम जयपुर से पद्मनाभ सिंह ने 6 गोल, कुलदीप सिंह राठौड़ ने 3 गोल और विश्वराज सिंह राठौड़ ने 2 गोल हासिल किए। टीम से अक्षय मलिक भी खेले। वहीं, टीम रामबाग/मेफेयर पोलो की ओर से हुर्र अली ने 3 गोल, प्रताप सिंह कानोता ने 2 गोल और सिद्धांत

इरंड कप चैम्पियन ईस्ट बंगाल को राष्ट्रपति
द्रौपदी मुर्मू ने सौंपी प्रेसिडेंट्स कप ट्रॉफी

नई दिल्ली, 7 सितंबर। राष्ट्रपति श्रीवादी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में डूरंड कप-2026 को विजेता टीम ईस्ट बंगाल फुटबाल क्लब को प्रेसिडेंट्स कप की ट्रॉफी सौंपी। ईस्ट बंगाल ने अगस्त में खेले गए 135वें डूरंड कप के फाइनल में निर प्रतियोगी मोहन बागान सुपर जायंट को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह ईस्ट बंगाल का डूरंड कप में 17वां जीत का खिताब था। इस जीत के साथ ईस्ट बंगाल ने सबसे ज्यादा डूरंड कप खिताब जीतने के मामले में मोहन बागान की बराबरी कर ली।



सिंह ने 1 गोल किया। टीम में अनय शाह भी शामिल रहे।

आरपीसी कप- (4 गोल्स) के लिए आज से शुरु होंगे मुकाबले- सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत मंगलवार से सीजन के दूसरे टूर्नामेंट आरपीसी कप- (4 गोल्स) की शुरुआत होगी। इस टूर्नामेंट के

पहले मैच 8 सितंबर, मंगलवार को पीपीसी ग्राउंड न. 3 पर खेले जाएंगे। पहला मुकाबला शाम 4 बजे टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो और टीम मेफेयर पोलो एस्टेट के बीच होगा। वहीं, दूसरा मुकाबला शाम 5 बजे टीम वी पोलो और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच खेला जाएगा।

